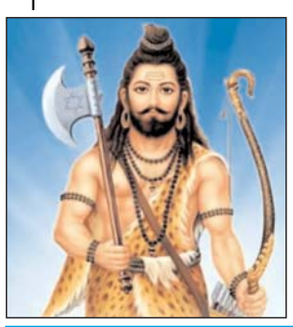

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 आज मनेगी परशुराम जयंती | सम्पादकीय | अर्थव्यवस्था में सुधार के दावों | टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट मैच में केवल 12 रन | 5

वर्ष 18 ● अंक 84 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | भोपाल, शुक्रवार 10 मई 2024 | email - hindustanexpressbhopal@Gmail.com, hindustanexpresshe@Gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

तेलंगाना को शरिया और कुरान पर चलाना चाहते हैं विपक्षी दल : अमित शाह

आरएनएस

तेलंगाना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तेलंगाना के दौरे पर हैं। उन्होंने भोनगीर लोकसभा क्षेत्र में चुनावी रैली को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव राहुल गांधी बनाम नरेन्द्र मोदी हैं। ये चुनाव 'जिहाद के लिए वोट के खिलाफ विकास के लिए वोट को लेकर हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ये चुनाव मोदी की 'भारतीय गारंटी और राहुल गांधी की 'चीनी गारंटी के बीच हैं।

चाइनीज़ गारंटी के खिलाफ भारतीय गारंटी का चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ÷2024 का चुनाव राहुल गांधी 1ह्य नरेंद्र मोदी का चुनाव है। यह चुनाव वोट फॉर जिहाद के विपरीत वोट फॉर विकास का चुनाव है। यह चुनाव राहुल गांधी की चाइनीज़ गारंटी के खिलाफ मोदी जी की भारतीय गारंटी का है।÷

तेलंगाना को शरिया और कुरान पर चलाना चाहते हैं

कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को 'तुष्टीकरण की तिकड़ी बताते हुए शाह ने कहा कि ये दल राम नवमी जुलूस नहीं निकालने देते और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का विरोध भी करते हैं। उन्होंने कहा, ''ये लोग हैदराबाद मुक्ति दिवस (17 सितंबर) नहीं मनाने देते। ये लोग सीएए का विरोध करते हैं। ये लोग तेलंगाना को शरिया और कुरान के आधार पर चलाना चाहते हैं।

अमित शाह ने कहा, ÷कांग्रेस पार्टी अपने वादे पूरे नहीं करती है। हालांकि, पीएम मोदी अपने शब्दों पर कायम हैं। कांग्रेस पार्टी ने राम निर्माण रोक दिया 70 साल पुराना मंदिर, सिर्फ पांच साल में पीएम मोदी ने केस जीता, भूमि पूजन और प्राण प्रतिष्ठा की। पीएम मोदी ने धारा 370 खत्म की, ताकि अनंत काल तक कश्मीर में तिरंगा लहराता रहे।

तेलंगाना में 10 से यादा सीटें जीतेंगे- अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 2019 में तेलंगाना की जनता ने हमें 4 सीटें दीं। इस बार हम तेलंगाना में 10 से यादा लोकसभा सीटें जीतेंगे। तेलंगाना में यह डबल डिजिट स्कोर पीएम मोदी को 400 सीटों के पार पहुंचा देगा। कांग्रेस झूठ बोलकर चुनाव लड़ना चाहती है और कहते हैं कि अगर पीएम मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे तो आरक्षण खत्म कर देंगे।

पीएम मोदी पिछले 10 साल से इस देश का नेतृत्व एकमत से कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आरक्षण खत्म नहीं किया। पार्टी ने मुसलमानों को 4त्न आरक्षण देकर एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण लूट लिया है अगर आप बीजेपी को जिताएंगे तो हम एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण बढ़ा देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लिए कुछ नहीं किया, लेकिन देश की 140 करोड़ जनता के लिए जी रहे हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा, खरगोन लोकसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया

खंडवा, खरगोन, देवास,। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री ज्ञानेश्वर पाटिल के समर्थन में भीकनगांव विधानसभा के हेलापड़ाव, खरगोन लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री गजेंद्र पटेल के समर्थन में पानसेमल विधानसभा के निवाली और बड़वानी विधानसभा में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी लगातार एक लाल किताब लेकर चल रहे हैं और कहते फिर रहे हैं कि देश का संविधान खतरे में है। यदि मोदीजी फिर आ गए तो संविधान खतरे में पड़ जाएगा। खतरे में देश का संविधान नहीं, बल्कि पूरी कांग्रेस पार्टी और इनके घमंडिया गठबंधन के नेता हैं। इनको डर है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी इनको छोड़ेंगे नहीं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि न खाउंगा, न खाने दूंगा। बेईमानों को तो जेल में जाना पड़ता है । राहुल गांधी को झूठ का भैरू आता है, इसलिए बार-बार झूठ बोलते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने लिए कुछ नहीं किया, लेकिन देश की 140 करोड़ जनता के लिए जी रहे हैं।

राहुल गांधी आदिवासियों की इज्जत को उछालते हैं

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा से आदिवासियों के साथ छलकपट किया है। आदिवासियों को केवल वोट बैंक समझा है। उनसे जिंदगीभर से वोट लेते रहे, लेकिन उनका विकास कभी नहीं किया। अब तो कांग्रेस के नेता राहुल गांधी आदिवासियों की इज्जत को ही उछाल रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आदिवासियों की इज्जत उनकी पगड़ी को अपने सर पर रखते हैं। पिछले दिनों राहुल गांधी मध्यप्रदेश के दौरे पर आए तो आदिवासियों ने उन्हें पगड़ी पहनाई, लेकिन उन्होंने उनकी पगड़ी को उछाल दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी आए और आदिवादियों ने उन्हें भी पगड़ी पहनाई तो उन्होंने पगड़ी पहनकर आदिवासियों की इज्जत को अपने सर पर रखे रखा। कांग्रेस पार्टी और उनके गठबंधन को घमंड है। यही कारण है कि इस घमंडिया गठबंधन के आधे नेता जेल में है और आधे जमानत पर बाहर घूम रहे हैं।

कांग्रेस को भगवान का जयकारा सहन नहीं होता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस और उनके गुरू झूठ बोल-बोल कर पगला रहे हैं। इनकी हालत ऐसी है, जैसे किसी को झूठ का भैरू आ गया है। यदि हम किसी भगवान का नाम लेते हैं, उनका जयकारा लगाते हैं तो कांग्रेस को भगवान का जयकारा सहन नहीं होता है। उनकी छाती पर सांप लेट जाते हैं। हम तो हमारे देवी-देवताओं को पूजने वाली परंपरा के लोग हैं। हमारे यहां तो भगवान का नाम सीताराम, राधाकृष्ण, शिव-पार्वती लेने पर भी माता का नाम पहले लेते हैं, लेकिन कांग्रेस तो हमारी माताओं-बहनों का अपमान करती है। उनके प्रदेश अध्यक्ष ने वरिष्ठ नेत्री श्रीमती इमरती देवी के लिए अपशब्दों का उपयोग किया। कांग्रेस के एक पूर्व मुख्यमंत्री महिलाओं को टंच माल कहते हैं, एक पूर्व मुख्यमंत्री आयटम जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं। ये कांग्रेस की मानसिकता में ही है कि वे माताओं-बहनों के लिए यह सोच रखते हैं। इस बार का चुनाव यह सब हिसाब-किताब चुकता करने का चुनाव है।

प्रधानमंत्री के पास अपना कुछ नहीं, वे तो देशवासियों के लिए जी रहे

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के पास अपना कुछ नहीं है। उनके पास न मकान है, न दुकान है, न परिवार है। उनका परिवार तो इस देश की 140 करोड़ जनता है और वे इस जनता के लिए ही जी रहे हैं। उनका संकल्प है कि जब तक वे इस देश की जनता के जीवन में उजाला नहीं फैलाएंगे चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने देशवासियों के लिए चार करोड़ मकान दिए, लेकिन अपने लिए नहीं बनाया। अब तीन करोड़ फिर देने की तैयारी है। माताओं, बहनों को उज्जवला योजना के माध्यम से गैस कनेक्शन दिए। देश के जवानों और किसानों को सम्मान देने का काम किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार भी प्रदेशवासियों के हितों के लिए काम कर रही है। हमारी 100 दिनों की भाजपा सरकार ने एयर एम्बुलेंस की सौगात दी है। जरूरत पड़ने पर यदि किसी बड़े अस्पताल में मरीज को ले जाना पड़े तो उसके लिए हैलीकाप्टर भेजा जाएगा। किसानों की आय दोगुनी हो, इसके लिए भी भाजपा सरकार ने निर्णय किया है कि किसान खेती के साथ में दूध भी बेचे। ऐसे दूधपालक किसानों को बोनस भी दिया जाएगा। हमने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए 2700 रूपए का वादा किया है और आने वाले पांच वर्षों में समर्थन मूल्य 3 हजार रूपए प्रति क्विंटल तक लेकर जाएंगे। किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी की उपलब्धता हो, इसके लिए लिफ्ट एरीकेशन से पीने और सिंचाई के लिए पानी देंगे।

अयोध्या : रामसेवकपुरम में लगी आग, 6 से ज्यादा कॉटेज पूरी तरह जले

आर.एन.एस.

अयोध्या। अयोध्या के रामसेवक पुरम में गुरुवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग लगने से भगदड़ मच गई। 6 से ज्यादा कॉटेज पूरी तरह जल गए। आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन कॉटेज होने के चलते आग तेज हो गई। तुरंत दमकल को सूचना दी गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के आग पर काबू पाया जा सका। रामसेवकपुरम में ही भगवान राम की 3 मूर्तियां बनाई गई थी। इनमें से एक की राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। जबकि दो मूर्तियां अभी यहीं रखी हैं। दोनों मूर्तियां सुरक्षित हैं। राम मंदिर से रामसेवकपुरम की दूरी करीब 2 किमी है। यहां इस वक्त बहुमंजिला इमारत का निर्माण किया जा रहा है। करीब 60-70 लोग यहां कॉटेज में रहते हैं। दमकल अफसरों के मुताबिक, आग करीब 2.30 बजे लगी। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट वजह बताई जा रही है। आग से रामसेवकपुरम में लाखों का नुकसान हुआ है।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट : सेंसेक्स 1062 अंक टूटा, निवेशकों के सात लाख करोड़ डूबे

निफ्टी भी 22 हजार के नीचे

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान बड़ी गिरावट दिखी। प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी इस दौरान 1.5% प्रतिशत तक टूट गए। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 1,062.22 (1.44%) अंकों की गिरावट के साथ 72,404.17 अंकों के स्तर पर जबकि निफ्टी 345.00 (1.55%) अंक टूटकर 21,957.50 के स्तर पर बंद हुआ।

घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स गुरुवार को बिकवाली के दबाव के बीच टूट गए। कारोबारी सत्र के दौरान बीएसई सेंसेक्स

1,130 अंक टूटकर 72,334.18 के निचले स्तर पर पहुंच गया। व्यापक बाजार निफ्टी50 370 अंक फिसलकर 19 अप्रैल के बाद पहली बार 22,000 से नीचे पहुंच गया। जानकारों के मुताबिक लोकसभा चुनाव परिणामों को लेकर निवेशकों के बीच बढ़ी अनिश्चितता और तिमाही नतीजों में कंपनियों के प्रदर्शन से बाजार की धारणा प्रभावित हुई और यह टूट गया। उतार-चढ़ाव से जुड़ा इंडेक्स इंडिया 6.5% बढ़कर 18.20 के स्तर पर पहुंच गया। इसमें लगातार 11वें सत्र में वृद्धि आई। गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान दलाल स्ट्रीट के निवेशकों को करीब 7.3 लाख करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप 400 लाख करोड़ रुपये से घटकर 393.73 लाख करोड़ रुपये रह गया।

गुरुवार को शेयर बाजार में गिरावट के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार दो शेयर मार्केट हैवीवेट एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी रहे। चौथी तिमाही में संतोषजनक नतीजे नहीं रहने के कारण एलएंडटी के शेयर गुरुवार को 6% तक टूट गए। गुरुवार के कारोबारी सत्र के बाद कंपनी के शेयर 197 अंक टूटकर 3,289.95 रुपये पर पर बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी के शेयरों में बिकवाली का दबाव बढ़ने से भी बाजार कमजोर हुआ।

चुनाव में भ्रम फैला रही, फूट डाल रही कांग्रेस, सतर्क रहें कार्यकर्ता : विष्णुदत्त शर्मा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने उज्जैन लोकसभा के उज्जैन उत्तर, उज्जैन दक्षिण एवं घट्टिया विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राजनीति की दशा और दिशा बदली है। सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर चलते हुए प्रधानमंत्री जी सभी के जीवन में खुशियां ला रहे हैं। कांग्रेस जिस वर्ग को लेकर तुष्टिकरण की राजनीति करती है, आज वो वर्ग भी यह महसूस करने लगा है कि आजादी के बाद 75 वर्षों में यदि किसी प्रधानमंत्री ने उनके लिए काम किया है, तो श्री नरेंद्र मोदी जी ही हैं। आज बिना भेदभाव के हर वर्ग के लोगों को प्रधानमंत्री आवास मिल रहे हैं, पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज मिल रहा है। इस वर्ग के लोग भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में काम करना चाहते हैं। लेकिन कांग्रेस इनके बीच भ्रम फैला रही है। इसलिए पार्टी के कार्यकर्ता बिना संकोच के अल्पसंख्यक भाईयों के घर जाएं, उनसे मिलें और उनका विश्वास जीतें। मोदी जी कहते हैं कि हमें सबका विश्वास जीतना है। इसलिए ये चुनाव सिर्फ सांसद चुनने का नहीं, बल्कि हर वर्ग का विश्वास जीतने का चुनाव है।

कार्यकर्ता ही पार्टी के चाणक्य, वही रणनीतिकार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में कोई भी कुछ दावा नहीं कर पा रहा था। ऐसे में हमारे गृहमंत्री श्री अमित शाह ने सभी संभागों के कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इसके बाद उन्होंने कहा कि अब मुझे विश्वास है, हम प्रचंड बहुमत से विधानसभा चुनाव जीत रहे हैं और सचमुच आप लोगों ने विधानसभा चुनाव में इतिहास रच दिया। ये कार्यकर्ताओं की ताकत है। कार्यकर्ता ही पार्टी की रणनीति बनाता है। हर चुनाव में वही प्रत्याशी होता है, चुनाव लड़ता है और जीतता है। श्री शर्मा ने कहा कि आज देश में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो चुका है, जम्मू कश्मीर से धारा 370 हट चुकी है, हमारी आंखों के सामने बड़े-बड़े काम हो रहे हैं। देश के 17 राज्यों में हमारी सरकारें हैं। ये सब कार्यकर्ताओं की बदौलत ही संभव हुआ है। अगले तीन दिन हर कार्यकर्ता को सिर्फ अपने बूथ पर फोकस करना है और हर बूथ पर कमल खिलाने की रणनीति बनानी है। उज्जैन में जीत का इतिहास बनाना है और इतनी बड़ी जीत हासिल करना है कि वो प्रधानमंत्री जी को ताकत दे सके।

विपक्षी भी मान रहे, भाजपा की ही बनेगी सरकार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि इस चुनाव में पूरे देश की जनता ने यह तय कर लिया है कि श्री नरेंद्र मोदी जी को ही तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। 400 पार का ये जो नारा है, हमारे प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि यह नारा तो विपक्ष ने ही दिया है। कांग्रेस के नेता भी अब यह स्वीकार कर रहे हैं कि सरकार तो भाजपा की ही बनेगी। ऐसे में कांग्रेस अब चुनाव के नाम पर औपचारिकता ही निभा रही है। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के खून में आज भी अंग्रेजों के जींस है। इसलिए कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है, लोगों में जाति-पांति के आधार पर फूट डालने की कोशिश कर रही है। इसलिए कांग्रेस से सतर्क रहें।

ये विकसित भारत बनाने का चुनाव है

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारत ने सारी दुनिया को अध्यात्म का रास्ता दिखाया है और श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भारत की आध्यात्मिक शक्ति बढ़ी है। भगवान महाकाल हों, या रामलला, उन्हें साष्टांग प्रणाम करके हमारे प्रधानमंत्री जी राष्ट्र की सेवा करने की शक्ति मांगते हैं। दूसरी तरफ एक मुस्लिम देश के शासक वहां बन रहे मंदिर के उद्घाटन के लिये प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को ही बुलाते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने और विश्वगुरु के आसन पर पहुंचाने का संकल्प लिया है, जो बात स्वामी विवेकानंद जी ने कही थी। लेकिन इस संकल्प की पूर्ति तक किसी कार्यकर्ता को चैन से नहीं बैठना है। श्री शर्मा ने कहा कि ये चुनाव देश को भ्रष्टाचार और आतंकवाद से मुक्त बनाने, हर गरीब के जीवन में खुशियां लाने का चुनाव है।

इजराइल अगर राफा में घुसा तो हथियार नहीं देंगे - बाइडेन

अमेरिका ने 2 हजार पाउंड के बमों की एक खेप रोकी

आर.एन.एस.

वाशिंगटन। बाइडेन ने नेतन्याहू को चेतावनी दी है कि अगर इजराइली सैनिक राफा में घुसे तो वे इजराइल को दिए जाने वाले हथियारों की सप्लाई रोक देंगे। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन ने कहा है कि इजराइल को राफा में मिलिट्री ऑपरेशन और अमेरिकी हथियारों के बीच किसी एक को चुनना होगा। अमेरिका अब तक इजराइल को दिए जाने वाले हथियारों की एक खेप को रोक चुका है। एजेंसी के मुताबिक 2 हजार पाउंड के बमों की एक खेप इजराइल भेजी जानी थी। जिसे पिछले हफ्ते रोक दिया गया। पिछले 7 महीनों से जारी जंग के बीच ऐसा पहली बार हुआ।

एजेंसी से बात करते हुए बाइडेन ने माना कि अमेरिका के हथियारों से गाजा में आम नागरिकों की मौत हुई है। अमेरिका का मानना है कि इजराइल अमेरिका से मिलने वाले बमों का इस्तेमाल राफा के रिहायशी इलाकों में हमलों के लिए कर सकता है। जबकि अमेरिका नहीं चाहता की इजराइल राफा मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम दें।

इजराइल ने 7 मई हमास के सीजफायर डील मंजूर करने के बाद गाजा के आखिरी हिस्से राफा में मिलिट्री ऑपरेशन की शुरुआत कर दी थी। बमबारी में 22 लोग मारे गए थे, इनमें 8 बच्चे थे। वहीं इजराइली सैनिकों ने मिस्र को बॉर्डर से लगती राफा क्रॉसिंग पर भी कब्जा कर लिया था। 1 लाख लोगों को इलाका छोड़ देने की चेतावनी दी गई थी।

तमिलनाडु : शिवकाशी में भयंकर विस्फोट पांच महिलाओं समेत आठ मजदूरों की मौत

शिवकाशी। तमिलनाडु में भयंकर विस्फोट की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो तमिलनाडु के शिवकाशी के पास एक पटाखों की फैक्ट्री में विस्फोट हुआ है। विरुधुनगर जिले के कलेक्टर जयसेलन ने कहा कि शिवकाशी के पास एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट होने से 8 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि इस ब्लास्ट में 12 अन्य लोग झुलस गए हैं। पुलिस ने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि विस्फोट किस वजह से हुआ। शिवकाशी को भारत में पटाखा बनाने का केंद्र कहा जाता है। यह स्थान देश के पटाखों, सेफ्टी माचिस और स्टेशनरी सामानों के कुल उत्पादन में भी एक बड़ी हिस्सेदारी रखता है। बताया जा रहा है कि ये विस्फोट सिवाकाशी के सेंगमलापट्टी इलाके में हुआ है। गुरुवार को दोपहर करीब पौने तीन बजे पटाखों की फैक्ट्री में ये धमाका हुआ, जिसमें कई लोग जख्मी हो गए। विस्फोट की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे लोगों ने जख्मी लोगों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

बताया जा रहा है कि कुछ लोग मलबे में फंसे हुए हैं, जिसे निकालने के लिए रेस्क्यू जारी है। विस्फोट इतना तेज था कि लोगों को वहां से भागने का मौका नहीं मिल पाया। इससे पहले फरवरी 2024 में भी तमिलनाडु के रामुथेवनपट्टी में पटाखा फैक्ट्री में 10 लोगों की मौत हो गई थी। उस समय पटाखा फैक्ट्री के कर्मचारी फैन्सी पटाखों के लिए रासायन मिला रहे थे, उसी दौरान ये हादसा हुआ था। पिछले साल अक्टूबर में भी इसी तरह का हादसा हुआ था जिसमें 14 लोगों की जान चली गई थी। उस समय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रत्येक पीड़ित परिवार के लिए 3 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की थी।

भारत ने हमेशा मालदीव का साथ दिया - जयशंकर

भारत दौरे पर पहुंचे मालदीव के विदेश मंत्री से की मुलाकात

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। भारत के साथ तनाव के बीच मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर भारत दौरे पर हैं। इस दौरान गुरुवार को उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान जयशंकर ने कहा, ÷भारत हमेशा नेबर फर्स्ट पॉलिसी पर चलता है। दोनों देशों के रिश्ते आपसी हितों पर टिके हैं। भारत विकास के मामले में मालदीव को सहयोग करने वाले अहम देशों में शामिल है। विदेश मंत्री मे कहा, हमारे कई प्रोजेक्ट्स से मालदीव के लोगों को फायदा पहुंचा है। भारत ने कई मौके पर मालदीव को वित्तीय मदद भी दी है। चीन समर्थक मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद यह पहला मौका है, जब मालदीव के कोई मंत्री भारत के दौरे पर आए हैं। मालदीव से रवाना होने से पहले जमीर ने कहा, हम भारत-मालदीव के बीच सहयोग बढ़ाने की कोशिश करेंगे, जिससे दोनों देशों के लोग इसका फायदा ले सकें। मालदीव से भारतीय सैनिकों को निकालने की भी कल (10 मई) आखिरी तारीख है। ऐसे में मूसा का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है। मूसा इससे पहले जनवरी में यूगांडा में जयशंकर से मुलाकात कर चुके हैं। तब दोनों नेताओं ने मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी के मुद्दे पर चर्चा की थी। बैठक के बाद मूसा ने कहा था कि मालदीव भारत के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करना चाहता है।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा 24वीं परिचर्चा में देश विदेश से जुड़े 1236 लाभार्थी

– प्रधानमंत्री मोदी जी ने दूसरे देशों को भी वैक्सीन देने का किया पुण्य कार्य: डॉ. राकेश मिश्र

– कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड के साइड इफेक्ट अफवाह है: डॉ संदीप मित्तल

– कोरोना वैक्सीन डीएनए चेंज नहीं कर सकता: डॉ. मित्तल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

सतना। डॉ. राकेश मिश्र अध्यक्ष पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड के साइड इफेक्ट्स का दुष्प्रचार या हकीकत? विषय पर ऑन लाइन 24वीं परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टर संदीप मित्तल (पल्मनोलॉजिस्ट मेदांता हॉस्पिटल गुरुग्राम) ने देश विदेश से जुड़े 1236 लाभार्थियों जिसमे सतना, मैहर, रीवा, प्रयागराज, पन्ना, छतरपुर, मुंबई, दिल्ली, हरियाणा के अलावा अन्य प्रदेशों व यू एस ए, यूके, विदेशो में निवास करने वाले प्रवासी भारतीय लाभार्थियों के 130 प्रश्नों के सटीक जवाब देते हुए डॉक्टर संदीप मित्तल ने कहा कि कोविड के पांचवें साल में हम पहुंच चुके हैं। दुनिया के जितने भी प्रमुख देश हैं सभी देशों में फाइजर, कोवैक्सीन, कोविशील्ड वैक्सीन लगी हुई है।

डॉक्टर संदीप मित्तल ने बताया कि वैक्सीन का 19 करोड लोगों का सर्वे किया गया। पहले हफ्ते के अंदर मेजर समस्या नहीं आई। पहले डोज के बाद 10 दिन के अंदर हल्का बुखार आना, जहां वैक्सीन लगी है हल्की सूजन होना भर इंपैक्ट देखा गया। अध्ययन से पता चला है कि कोविड वैक्सीन 10 करोड़ में 66 लोगों में ही साइड इफेक्ट देखा गया।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने दूसरे देशों को भी वैक्सीन देने का पुण्य कार्य किया: डॉ. राकेश मिश्र

सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने परिचर्चा संचालन करते हुये कहा कि महामारी के दौर में हमारे प्रधानमंत्री जी ने 140 करोड़ भारतीयों के प्राणों की रक्षा कॉविड-19 से की। साथ ही अन्य कई देशों में निवास करने वाले विदेशी नागरिकों के भी जीवन रक्षक कोरोना वैक्सीन देने का कार्य किया है। देश के सभी नागरिकों की ओर से मोदी जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड के साइड इफेक्ट अफवाह है: डॉ संदीप मित्तल

कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड के साइड इफेक्ट को लेकर अन्य देशों के द्वारा अफवाह फैलाई जा रही है।भारत के कुछ राजनीतिक लोगों द्वारा भ्रांतियां और भ्रम फैलाया जा रहा है। जिससे हमें दूर रहना चाहिए।

सचिन त्रिपाठी सतना ने पूछा कि जल्दबाजी में वैक्सीन लॉन्च किया गया है क्या ?

डॉ संदीप मित्तल ने लाभार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि नई टेक्नोलॉजी के प्रयोग में लाई गई है कोरोना वैक्सीन की टेस्टिंग 1, 2, 3, 4 फेसों में अच्छे से किया गया है।डॉक्टर मित्तल ने आगे कहा कि वैक्सीन लगने के 99त्न लोगों को फायदा हुआ है।

लाभार्थियों ने प्रश्न पूछा कि वैक्सीन लगने से क्या प्रजनन क्षमता पर फर्क पड़ता है ?

डॉ मित्तल ने प्रश्न के जवाब में कहा कि कोविड -19 की वैक्सीन लगने से प्रजनन क्षमता में कोई भी असर नहीं होता।यह भ्रांति है।

लाभार्थियों ने प्रश्न पूछा कि क्या बच्चों को वैक्सीन नहीं लगना चाहिए ?

डॉक्टर मित्तल ने कहा कि कोविड बीमारी से बचाव के लिए वैक्सीन की ज़रूरत नहीं है।

कोरोना वैक्सीन डीएनए चेंज नहीं कर सकता: डॉ. मित्तल

लाभार्थियों ने पूछा कि कोविड वैक्सीन लगने से मनुष्यों में डीएनए चेंज कर सकता है क्या ?

डॉक्टर मित्तल ने कहा कि कोविड की वैक्सीन लगने से हमारा डीएनए चेंज नहीं होता है बल्कि हमारा इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होता है।

लाभार्थियों ने पूछा कि क्या कोविड वैक्सीन से हमें कोई नुकसान होता है ?

डॉ. मित्तल ने प्रश्न के जवाब में कहा कि 2 वर्ष बीत जाने के बाद कोई साइड इफेक्ट नहीं हुआ है। यह उसी तरह है जैसे बुखार आने पर क्रोसिन दवाई ली जाती है और उससे कोई नुकसान नहीं होता। वैक्सीन लगने के तीन हफ्ते के अंदर ही साइड इफेक्ट दिखेगा और आज इतने वर्षों के बाद ना के बराबर चांस हैं।

लाभार्थियों ने पूछा कि कोविशील्ड लगाने से कार्य क्षमता कम हुई है क्या ?

डॉ. मित्तल ने प्रश्न के जवाब में कहा कि यह सब भ्रांतियां हैं। इसका कोई भी साइड इफेक्ट नहीं है।वैक्सीन तो बूस्टर का काम करती है।

लाभार्थी ने पूछा कि क्या अभी भी वैक्सीन लग रही है?

डॉ. मित्तल ने प्रश्न के जवाब में कहा कि नहीं अभी वैक्सीनेशन नहीं चल रहा है ।हां डॉक्टर की सलाह पर वैक्सीन लगाई जा सकती है।

छतरपुर के प्रदीप खरे ने प्रश्न पूछा कि अभी भी कुछ हॉस्पिटलों में एडमिट करने के लिए कोविड टेस्ट किया जाता है क्या यह सही है?

डॉ. मित्तल ने प्रश्न के जवाब में कहा कि नहीं ऐसा नहीं है। अगर कोई व्यक्तिगत टेस्ट करवाना चाहता है तो अलग बात है।

सौरभ सिन्हा गुड़गांव ने प्रश्न पूछा कि जो लोग कोविशील्ड वैक्सीन के संदर्भ में अफवाह फैला रहे हैं इनके खिलाफ कोई दंड का प्रावधान है या नहीं ?

डॉक्टर मित्तल ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह विषय सुप्रीम कोर्ट के सरकारी वकील संकल्प मिश्रा जी बता सकते हैं।

निश्चित तौर पर इसमें भारत की दंड संहिता के हिसाब से दंड का प्रावधान है।

संजय गुप्ता प्रयागराज ने प्रश्न किया कि नवजात बच्चों को वैक्सीन लगानी चाहिए या नहीं

डॉक्टर मित्तल ने प्रश्न के जवाब में कहा कि नवजात बच्चों को कोविड वैक्सीन नहीं लगानी चाहिए। जो भी वैक्सीनेशन का कार्य बच्चों के लिए होता है वह 6 माह के बाद ही होता है।

प्रकाश जी बांदा से ऑनलाइन जुड़कर प्रश्न पूछा कि कोवैक्सीन कोविशील्ड दोनों वैक्सीनों में लोग कोवीशील्ड की चर्चा क्यों कर रहे हैं ?

डॉ. मित्तल ने जवाब में कहा कि कोवैक्सीन पुरानी पद्धति से व कोविशील्ड नई पद्धति से बनी है जो की पूरी तरह से सुरक्षित है अभी हाल ही में यू एस ए से यह चर्चाओं में है।

विजय सिंह पटेल सतना ने पूछा कि दवाओं या कोविशील्ड के साइड इफेक्ट है या नहीं?

डॉक्टर मित्तल ने प्रश्न के जवाब में कहा कि कोई भी दवा हो तो साइड इफेक्ट होते हैं ।जैसे कि क्रोसिन बुखार में लेने से साइड इफेक्ट के कारण दवा लेने से मना नहीं करते या फिर टीवी की दवा में भी साइड इफेक्ट होता है लेकिन हम दवा लेते हैं इसी प्रकार से वैक्सीन है।

डॉ. मित्तल ने आगे कहा कि पहले के समय में रेल में यात्रा करने के दौरान प्लेटफार्म में पानी भरकर पानी पीते थे, लेकिन जबसे मिनरल वाटर पीने लगे हैं तब से बीमारियां कम हो रही है।

पुष्पेंद्र नाथ पाठक गुड्डन भइया पूर्व विधायक ने पूछा कि हमारे गांव में हार्ट अटैक कम उम्र में अधिक हो रही है इसका क्या कारण है?

डॉ मित्तल ने प्रश्न के जवाब में कहा कि कम उम्र में हार्ट अटैक हमारी लाइफस्टाइल से हो रहे हैं। जैसे की हमारे परिवार में कभी किसी को हार्ट की बीमारी हो तो हमें भी हो सकता है। इसके चांसेस बन जाते हैं। कुछ बीमारियां जेनेटिक होती हैं।

श्रीमती मनीषा सिंह सतना ने प्रश्न किया कि सांस लेने में तकलीफ के क्या कारण हैं?

डॉक्टर मित्तल ने प्रश्न के जवाब में कहा कि कभी-कभी ऐसा हो सकता है। डॉक्टर से परामर्श लेकर उपचार करना चाहिए।

लाभार्थियों ने प्रश्न पूछा कि अभी भी लोग मास्क लगा रहे हैं क्या कारण है ?

डॉ. मित्तल ने प्रश्न के जवाब में कहा की भीड़ में मास्क लगाना चाहिए हमें सुरक्षा मिलेगी। यह अच्छी आदत है।

भारत के विभिन्न प्रांतो व यू एस ए, यूके अन्य देशों से जुड़े लाभार्थियों ने स्वास्थ्य परिचर्चा के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वास्थ्य परिचर्चा बहुत ही उपयोगी रही। साथ ही उन्होंने डॉ राकेश मिश्र जी के सराहनीय प्रयास के लिए धन्यवाद प्रेषित किया।

परिचर्चा के अंत में पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने 24वीं स्वास्थ्य परिचर्चा में जुड़े लाभार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया और आने वाले दिनों में पुनः एक नये

कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्र पिपरिया का किया निरीक्षण

कलेक्टर ने दवाईओं की पर्याप्त उपलब्धता के संबंध में ली जानकारी

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने आज जनपद पंचायत जैतहरी के भ्रमण के दौरान उप स्वास्थ्य केंद्र पिपरिया का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने एएनएम से शुगर, ब्लड प्रेशर एवं आयरन सुक्रोज दवाइयां की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की जिस पर एएनएम ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र में सभी प्रकार की दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। इस दौरान कलेक्टर ने एएनएम को निर्देश दिए कि उप स्वास्थ्य केंद्र में दवाइयों की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। किसी मरीज को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े।

इस दौरान कलेक्टर ने हाई रिस्क गर्भवती माताओं के संबंध में भी एएनएम से जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन निर्माण संबंधी भी संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सहायक कलेक्टर महिपाल सिंह गुर्जर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जैतहरी बी.एम. मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

शहडोल पुलिस द्वारा सामूहिक बलात्संग के पाँच अज्ञात फरार आरोपियों को 24 घंटे में किया गिरफ्तार

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। ग्राम कल्याणपुर के जंगल में दिनांक 06.05.2024 को सायंकाल में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्संग के घटना की सूचना पर दिनांक 07.05.2024 को थाना कोतवाली शहडोल में अपराध क्र. 290/2024 धारा 376-D, 376(2)N, 376(DA) भादवि, 5(G), 6 पॉक्सो एक्ट अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध पंजीबद्ध किया गया तथा इनकी गिरफ्तारी के लिए एडीजीपी डीसी सागर द्वारा 30 हजार रूपये का ईनाम उद्घोषित किया गया।

विवेचना टीम द्वारा प्रकरण की विवेचना तत्परतापूर्वक करते हुए अज्ञात आरोपियों की सघन पता-तलाश की गई। एडीजीपी शहडोल ज़ोन डी.सी. सागर द्वारा पुलिस अधीक्षक शहडोल कुमार प्रतीक एवं पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ जंगल में घटना स्थल की सर्चिंग की गई और घटना स्थल का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण कर पुलिस अधीक्षक शहडोल एवं अनुसंधान टीम को अपराध के अनुसंधान में वैज्ञानिक, फोरेंसिक, सायबर फोरेंसिक, परिस्थितिजन्य साक्ष्य आदि के आधार पर अग्रिम कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। मौके पर पहुँचकर सायबर टीम, डॉग स्क्वॉड, फोरेंसिंक टीम के द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया था।

कोतवाली पुलिस एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घटना दिनांक को अज्ञात आरोपियों की पता राशि हेतु रात भर लगे रहे। पुलिस द्वारा अथक परिश्रम के बाद सभी अज्ञात आरोपियों को ज्ञात किया और उनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा कई टीमें गठित कर

सुबह संभावित स्थानों पर दबिश हेतु रवाना की गई। एडीजीपी एवं पुलिस अधीक्षक शहडोल के नेतृत्व में पुलिस द्वारा अथक प्रयासों के फलस्वरूप पुलिस द्वारा 24 घंटे के अंदर सभी फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। **गिरफ्तारशुदा आरोपी:** 1.ऐश्वर्य निधि गुप्ता उर्फ लल्लू गुप्ता पिता स्वामीशरण गुप्ता उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम कल्याणपुर वार्ड क्रमांक 08 शहडोल थाना कोतवाली निला शहडोल, 2. साहिल कुरैशी पिता सहीद कुरैशी उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम कल्याणपुर वार्ड नं. 06 शहडोल, 3. कैलाश उर्फ मन्नू पनिका पिता राजू पनिका उम्र 29 वर्ष निवासी कल्याणपुर वार्ड न. 08 शहडोल, 4. मोह. समीम पिता मोह. अकरम उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम कल्याणपुर थाना कोतवाली जिला शहडोल (म.प्र.), 5. मोह. अफजल अंसारी पिता मोह. फारुख अंसारी उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम कल्याणपुर वार्ड न. 06 शहडोल के निवासी हैं।

आरोपियों की पता तलाश एवं गिरफ्तारी में निरीक्षक उनि उपेन्द्र त्रिपाठी, बृजेन्द्र मिश्रा, सउनि रजनीश तिवारी, रामराज पाण्डेय, सुरेश कुमार, राकेश बागरी, प्र.आर. उमेश तिवारी, मायाराम, बिलाल, दिनेश केवट, शैलेन्द्र पाटले, सुनील शर्मा, सोनी नामदेव, आर. निर्मल मिश्रा, महेश पाठक, धनजी यादव, अतुल शुक्ला, रौनक पंवार, गिरीश मिश्रा, रामराज लोधी एवं सायबर सेल टीम सत्यप्रकाश मिश्रा, हिमवन्त चंद्र मिश्र एवं प्रकाश द्विवेदी की सराहनीय भूमिका रही है।

डेढ़ साल पूर्व अपहृत नाबालिग बालिका को कोतवाली पुलिस द्वारा किया दस्तयाब, आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह पवार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी एवं एसडीओपी सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा डेढ़ वर्ष पूर्व ग्राम बिजोड़ी से अपर्हत हुई नाबालिक बालिका को अनूपपुर से दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि पुलिस मुख्यालय भोपाल मध्य प्रदेश के निर्देश पर एवं डीआईजी शहडोल रेंज, शहडोल सविता सोहाने के मार्गदर्शन में जिले में गुम एवं अपर्हत नाबालिक बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। दिनांक 05.09.2022 को थाना कोतवाली अंतर्गत ग्राम बिजौडी से करीब 16 वर्षीय नाबालिक बालिका के गुम हो जाने पर अपराध क्रमांक 511 / 22 धारा 363 भारतीय दंड विधान के तहत अपराध दर्ज किया जाकर एस.डी.ओ.पी. अनूपपुर सुमित केरकेट्टा द्वारा विवेचना की जा रही है। टी. आई. कोतवाली अरविंद जैन के नेतृत्व में महिला उप निरीक्षक दयावती मरावी, प्रधान आरक्षक अनिल तिवारी, आरक्षक धर्मेंद्र रावत के द्वारा उक्त नाबालिक बालिका को संतोष कुमार केवट पिता रामेश्वर प्रसाद केवट उम्र 29 साल निवासी ग्राम बिजोड़ी थाना कोतवाली अनूपपुर के कब्जे से दस्तयाब किया गया जाकर प्रकरण में धारा 366, 376 (2), (ठ) भारतीय दंड विधान, 3/4 पाक्सो एक्ट , 3(2)(5) एस.सी.एस.टी.एक्ट का इजाफा किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने पूछताछ पर पुलिस को बताया कि वह नाबालिक बालिका को अपने साथ भगाकर पुणे (महाराष्ट्र) ले गया था जहां कारेगाव में एक फैक्ट्री में काम करने लगा था और हाल ही में अनूपपुर वापस आने पर पकड़ा गया।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन कल

लोक अदालत को सफल बनाने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 11 मई 2024 को जिला मुख्यालय अनूपपुर एवं तहसील कोतमा व राजेन्द्रग्राम की सिविल कोर्ट में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के लिये एवं अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण राजीनामा के आधार पर किये जाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्दर सिंह के द्वारा प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रचार वाहन को रवाना करने के दौरान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर की सचिव मोनिका आध्या, प्रथम जिला न्यायाधीश पंकज जायसवाल, द्वितीय जिला न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चैनवती ताराम, न्यायिक मजिस्ट्रेट अंजली शाह, न्यायिक मजिस्ट्रेट पारुल जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल संतदास नापित, जिला अभियोजन अधिकारी हेमन्त अग्रवाल, जिला लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र मिश्रा सहित अधिवक्तागण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर की सचिव मोनिका आध्या ने बताया है कि पक्षकारों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने एवं प्रकरणों का नेशनल लोक अदालत में निराकरण हेतु जिला मुख्यालय अनूपपुर में 06, सिविल न्यायालय कोतमा में 05 एवं सिविल न्यायालय राजेन्द्रग्राम में 03 खण्डपीठों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया है कि लोक अदालत में राजीनामा योग्य दाण्डिक प्रकरण, चेक अनादरण धारा 138 से संबंधित प्रकरण, बैंक वसूली प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, सिविल प्रकरण एवं बिजली व पानी के बिल से संबंधित प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा, सुलह-समझौता के माध्यम से किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु लगातार प्री-सिटिंग का आयोजन पक्षकारों, बैंकों, नगरपालिका, विद्युत विभाग के अधिकारियों के अलावा अधिवक्ताओं के साथ किया जा रहा है।

छात्र का न्यूड वीडियो बनाकर युवती ने किया ब्लैकमेल

ग्वालियर। फोन काल कर युवती ने छात्र का न्यूड वीडियो बनाया और फिर ब्लैकमेलिंग शुरू कर दी। घटना पड़ाव थाना क्षेत्र के गांधी नगर की है। ट्रैप हुए छात्र ने जब अपना वीडियो देखा तो उसकी सिट्टी पिट्टी गुम हो गई, क्योंकि ब्लैकमेलर युवती ने ब्लैकमेल करते हुए पहली खेप में दस हजार की मांग कर दी। घटना से भयभीत छात्र अपने कमरे से बाहर नहीं निकल रहा था और सहम कर कमरे में घुसा रहता था। दो दिन में बदले हुए छात्र के हाव-भाव देखकर परिजनों को शक हुआ तो छात्र से बातचीत की, तब घटना का पता चला। तो परिजन छात्र को लेकर थाने पहुंचे और मामले की शिकायत पुलिस से की।

गांधी नगर में रहने वाला एक युवकइंजीनियरिंग प्रथम वर्ष का छात्र है। तीन दिन पहले उसकी फेसबुक पर एक युवती की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। रिक्वेस्ट एक्सेप्ट करते ही युवती के मैसेंजर पर मैसेज आने लगे और उनकी बातचीत होने लगी। दो दिन काफी बातचीत होने के बाद युवती ने उसका मोबाइल नंबर लिया और वॉइस और वीडियो कॉल करने लगी। इसके बाद उनके बीच अतरंग बातचीत होने लगी। बातचीत होने पर छात्र भी उससे खुलकर बातचीत करने लगा। बातचीत होने के बाद युवती ने उसे वीडियो कॉल किया और उसने छात्र से न्यूड होने को बोला और खुद भी न्यूड हो गई। इसके बाद छात्र भी न्यूड हो गया और कुछ देर बातचीत होने के बाद युवती की तरफसे कॉल कट गया और जब दोबारा उसने कॉल करने का प्रयास किया, तो वीडियो कॉल नहीं हुई। कुछ देर बाद युवती का वाइस कॉल आया और उसने उसे वीडियो सेंड कर दिया। वीडियो देखते ही छात्र के पैरों तले जमीन निकल गई और उसके आंसू निकल आए, उसकी हालत देखते ही युवती ने उससे दस हजार रुपए की मांग कर दी।

वीडियो बनने और ब्लैकमेलिंग से परेशान छात्र की आवाज नहीं निकल रही थी तो युवती ने उसे रुपए नहीं देने पर क्राइम ब्रांच में शिकायत की धमकी दी। धमकी को सुनते ही छात्र घबरा गया और कमरे से बाहर निकलना बंद कर दिया। उसकी हालत देखकर परिजनों को शक हुआ और उससे बातचीत की तो उसने रोते हुए अपनी परेशानी बताई। मामले का पता चलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की शिकायत साइबर सेल में करने की सलाह दी। छात्र ने युवती की शिकायत साइबर सेल में की है।

नशेड़ी दामाद ने ससुराल जाकर किया हंगामा, पेट्रोल डालकर दी धमकी

ग्वालियर। झगड़ा कर रहे नशेड़ी ने पत्नी की मारपीट कर मोबाइल तोड़ दिया। नाराज होकर पत्नी मायके चली गई तो नशेड़ी पति वहां पर आ धमका और अपने हाथ की नस काटने के बाद खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया। घटना कंपू थाना क्षेत्र के गुढ़ा-गुढ़ी का नाका की है। अचानक हुई घटना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया और पत्नी के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही नशेड़ी का नशा रफूचक्कर हो गया और सिर पर पैर धरकर भाग निकला।

कोटेश्वर कॉलोनी निवासी लालू बाथम पुत्र सुरेश बाथम प्राइवेट जॉब करता है। लालू शराब पीने का आदी है, बीते रोज नशा कर घर आया और पत्नी लता से विवाद करने लगा। पत्नी ने उसे काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया, तो पत्नी अपने कमरे में चली गई और वह वहां पर भी आ गया, जब पत्नी ने उसका विरोध किया तो आरोपी ने उसकी मारपीट कर मोबाइल तोड़ दिया। परेशान लता ने अपने भाई को इसकी सूचना दी, तो भाई उसे समझाने के लिए आया, लेकिन वह आपे से बाहर हो रहा था। बहन की मारपीट ना करें, यह सोचकर भाई उसे मायके ले आया। पत्नी को मायके जाते ही लालू पीछे-पीछे ससुराल जा पहुंचा और सड़क पर हंगामा करने लगा। जब साले तथा अन्य पड़ोसियों ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने अपने हाथ को ब्लेड से काटने लगा। उसकी हरकत से सभी सहम गए और इसी बीच उसने पेट्रोल खुद पर उड़ेल लिया और आत्महत्या की धमकी देने लगा। उसकी हरकतों से सभी घबरा गए और तुरंत ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जैसे ही पुलिस की डायल 100 घटना स्थल पर पहुंची, सबको धमका रहे नशेड़ी की हवा निकल गई और नंगे पैर ही भाग निकला। हालांकि पुलिस जवानों ने उसे पकडने का प्रयास किया, लेकिन वह हाथ नहीं आया। नशेड़ी दामाद के भागने पर परिजनों तथा पड़ोसियों ने राहत की सांस ली।

महिला ने जहर खाकर दी जान, मर्ग कायम

ग्वालियर। एक महिला ने सल्फास की गोलियां खाकर जान दे दी। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के शासकीय कन्या विद्यालय के पास खिड़की मोहल्ला में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब नौ बजे की है। घटना का पता चलते ही परिजन महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां पर उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। महिला की मौत का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है। ग्वालियर थाना क्षेत्र के शासकीय कन्या विद्यालय के पास खिड़की मोहल्ला निवासी भारती आर्य पत्नी राजेश आर्य ने बीती रात करीब नौ बजे अपने कमरे में सल्फास की गोलियां गटक ली। जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां पर पता चला कि उसने सल्फास की गोलियां गटकी है। इसका पता चलते ही डॉक्टरों ने उसे आईसीयू में भर्ती कर उपचार शुरू किया, जहां पर दो घंटे उपचार लेने के बाद महिला की मौत हो गई। महिला की मौत का पता चलते ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

शांतिपूर्ण मतदान कराने पर दी विदाई पार्टी

ग्वालियर। ग्वालियर में मतदान कराने आए एसएसबी की एक कंपनी को बिजौली थाना क्षेत्र में सुरक्षित माहौल बनाने की जिम्मेदारी दी गई थी। चुनाव शांतिपूर्ण निबटने के बाद बीती शाम कंपनी के जाने से पहले प्रशिक्षु आईपीएस व थाना प्रभारी बिजौली अनु बेनीवाल ने विदाई पार्टी दी थी। विदाई पार्टी से चुनाव कराकर वापस लौट रहे अभिभूत जवानों ने बताया कि चुनाव कई जगहों पर कराया है, लेकिन जो माहौल ग्वालियर में मिला वह वाकई यादगार है, क्योंकि यहां आने पर थाना प्रभारी ने वेलकम पार्टी और जाने पर विदाई पार्टी दी।

डंपर की टक्कर से महिला की मौत, बेटा और भतीजा घायल

ग्वालियर। मां को लेकर जालौन जा रहे बाइक सवार को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर से महिला की मौत हो गई और उसके साथ बाइक पर सवार बेटा और भतीजा घायल हो गई। घटना बिजौली थाना क्षेत्र के बिल्हेटी के पास गुरुवार की सुबह की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए पहुंचाकर मृतिका के शव का पीएम कराकर उसके परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यूपी के जालौन निवासी 40 वर्षीय ऊषा पाल पत्नी फूल सिंह पाल की सड़क हादसे में मौत हो गई। ऊषा दो दिन पहले जालौन से ग्वालियर रिश्तेदारी में आई थी। उनके साथ उनका बेटा सूरज पाल और भतीजा गौतम पाल भी आया था। गुरूवार की सुबह वह ग्वालियर से जालौन जाने के लिए बाइक से निकले थे और अभी बिल्हेटी के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे डंपर के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ऊषा पाल व बेटा और भतीजा हवा में उछले और सड़क पर गिरे। जिससे ऊषा पाल डंपर की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत उपचार के लिए पहुंचा कर मृतका का शव पीएम हाउस पहुंचा दिया। डंपर की चपेट में आने से बाइक कबाड़ा होकर चकनाचूर हो गई। वहीं हादसे के बाद आरोपी चालक अपना वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बाइक व डंपर को निगरानी में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

ससुराल में ससुर व साले ने दामाद को पीटा

ग्वालियर। पत्नी को ले जाने के लिए ससुराल आए दामाद के साथ बेटी की विदा तो साले व ससुर ने की नहीं किया, उल्टा दामाद को धुन डाला। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

आदर्श नगर पिण्टो पार्क स्थित शिव मंदिर के पास रहने वाले गौरव सिंह तोमर पुत्र लक्ष्मण सिंह तोमर ने शिकायत की है कि बीते रोज उसका साला सिरमोहर भदौरिया उसकी पत्नी सोनम को मायके ले गया था। इसके बाद जब वह पत्नी को लेने के लिए शताब्दीपुरम आया तो साले सिरमोहर और ससुर विक्रम भदौरिया ने उससे गाली गलौज करना शुरू कर दिया। जब उसने विरोध किया तो साले व ससुर ने उसकी मारपीट कर उसके सिर में ईंट मार दी, जिससे वह घायल हो गया। किसी तरह खुद को बचाकर वहां से भागा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

चार्जिंग के दौरान स्कूटर में लगी आग, स्कूली बच्चे फंसे

ग्वालियर। गांधीनगर के पास कांतिनगर में गुरूवार को स्कूटर चार्जिंग के दौरान आग लगने से हडकंप मच गया। दरअसल जहां आग लगी वहीं पर पास में बच्चों के लिए समर कैंप चल रहा था, स्थानीय लोगों ने प्रयास करके तत्काल ही आग पर काबू पा लिया। बच्चों को पहले ही सुरक्षित कर दिया गया था।

जानकारी के अनुसार कांति नगर के माय छोटा स्कूल के पोर्च में अभिजीत पटेल की स्कूटर चार्जिंग में लगी हुई थी। इस स्कूटर में अचानक आग लग गई। आग का धुआं फैलते ही जब इसकी जनकारी मिली तब लोग पानी लेकर आग पर काबू करने के लिए पानी डालने लगे। लोगों ने तत्काल ही आग पर कु छ ही देर में काबू पा लिया था। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को भी कर दी गई थी फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच गई थी, फायर ब्रिगेड ने

पानी डाल कर आग को पूरी तरह से काबू पा लिया। आग लगने से गाड़ी पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। जिस स्कूल में आग लगी थी, उसके आस-पास रहवासी क्षेत्र था और आग फेल रही थी तो आस-पास रहने वाले लोग मदद को दौड़े और बाल्टियों से आग बुझाने में जुट गए और इसी बीच फायर ब्रिगेड की गाड़ी वहां पर पहुंच गई और आग फेलने से रूक गई। जिस समय आग लगी थी, यहां पर बच्चे मौजूद थे, क्योंकि स्कूल का समर कैंप चल रहा था। स्कूल में बच्चों का पता चलते ही हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आस-पास रहने वाले लोगों ने पुलिस की मदद से बच्चों को बाहर निकाला।

मंदिर में चोरों का धावा, डेढ़ क्विंटल वजनी घंटे और दान पेटी में रखी चढोत्तरी ले गये

ग्वालियर। आस्था पर चोट करते हुए चोरों ने एक मंदिर के ताले चटकाकर डेढ़ क्विंटल वजनी चार घंटे और दान पेटी में रखी चढ़ोत्तरी की रकम पार कर ली। घटना पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के शंकरपुर स्टेडियम के पास बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात की है। घटना का पता सुबह चला जब श्रद्धालु मंदिर पहुंचे तो मंदिर के घंटे और दान पेटी गायब मिले। मामला समझ में आते ही श्रद्धालुओं में रोष फैल गया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के शंकरपुर स्टेडियम के पास हनुमान मंदिर है, इसकी देखरेख की जिम्मेदारी नंदी महाराज पर रहती है और वह मंदिर में ही रहते है। बीती रात वह किसी काम से गए थे और मंदिर पर ताला डाल गए थे। सुबह जब श्रद्धालु आए तो मंदिर के घंटे गायब थे और दानपेटी का ताला टूटा पड़ा हुआ था। मंदिर की हालत देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की तो पुलिस को पता चला कि चोर मंदिर से चार घंटे चोरी कर ले गए हैं। जिसमें एक घंटा 105 किलो का तथा शेष घंटे पांच-पांच किलो के थे। इसके साथ ही एक एम्पलीफायर व दान पेटी से नगदी पार कर ले गए। चोरों का पता लगाने के लिए पुलिस अब इलाके के कैमरों को खंगालने में जुट गए है, जिससे चोरों को पता लगाया जा सके।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण आयोजित

ग्वालियर। ग्रेटर ग्वालियर सेनेट्री डीलर एसोसिएशन के निर्वाचन के बाद गुरूवार को नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के अध्यक्ष डॉ प्रवीण अग्रवाल थे।

समारोह में चेम्बर अध्यक्ष डॉ प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि संगठन की एकता ही उसकी ताकत होती है। निश्चित ही युवाओं के नेतृत्व में संगठन अच्छे कार्य करेगा। चुनाव में पर्यवेक्षक अवधेश सिंह राठौड़ थे। कार्यक्रम में नवाचार करते हुए संस्था सदस्यों के परिवार के 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान के साथ ही लोकसभा के चुनाव में मतदान करने वाले सदस्यों को मतदान का निशान

दिखाने पर उपहार प्रदान किए गए। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष प्रदीप दुबे, दिनेश सिंह परमार, उपाध्यक्ष अनूप जैन, सचिव श्रेयांश जैन, संयुक्त सचिव महेन्द्र पाराशर, कोषाध्यक्ष प्रांकुल जैन, कार्यक्रम में संस्था के निवर्तमान अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, जगदीश खंडेलवाल, कैलाश मंगल, आशुतोष द्विवेदी, ओमप्रकाश गोयल, नवीन अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

प्रभारी उपेन्द्र वैश की रणनीति से भाजपा महिला मोर्चा प्रचार में आगे रहा

ग्वालियर। लोकसभा चुनावों के दौरान ग्वालियर में भाजपा प्रत्याशी के लिये महिला मोर्चा ने भी बेहतर से बेहतर कार्य किया। महिला मोर्चा के प्रभारी उपेन्द्र सिंह वैश के नेतृत्व में प्रत्येक बूथ पर महिला कार्यकर्ता ने बखूबी जिम्मेदारी निभाई और घर-घर व्यापक जनसमर्थन जुटाया। इसी के चलते ग्वालियर महिला मोर्चा के प्रभारी उपेन्द्र सिंह वैश की प्रबुद्ध महिला सम्मेलन में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वनिता श्रीनिवासन ने जमकर तारीफ की और यह कहा कि वैश जैसे नेता मोर्चे के स्थाई प्रभारी होनी चाहिये।

भाजपा महिला मोर्चा ने ग्वालियर में भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह

के लिये व्यापक तौर पर काम किया। महिला मोर्चे की प्रदेश अध्यक्ष सांसद मीरा नारोलिया भी महिला मार्चे के काम से बेहद खुश है। ग्वालियर में महिला मोर्चा प्रभारी भाजपा नेता उपेन्द्र सिंह वैश के कुशल मार्गदर्शन में महिला मोर्चे की कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रचार व जनसंपर्क की कमान सम्हाले रखी। सबसे बड़ी बात यह रही कि भाजपा नेत्री सुमन शर्मा, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, रेशू राजावत, व्यंजना मिश्रा, हेमलता रामेश्वर भदौरिया सहित जिलाध्यक्ष नीलिमा शिंदे के नेतृत्व में महिलाओं ने जिम्मेदारी बखूबी निभाई और प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को लेकर लेकर आम जनता को भाजपा के पक्ष में करने का प्रयास किया। स्वयं मोर्चा प्रभारी उपेन्द्र सिंह वैश ने महिला कार्यकर्ताओं की टीम बनाकर हर बूथ, मंडल पर महिलाओं के सबसे ज्यादा कार्यक्रम आयोजित कराये। सभी विधानसभाओं में सम्मेलन कराकर कार्यकर्ताओं को पार्टी लाइन पर उत्साहित किया। इसके साथ ही डेढ़ दो माह तक जनसंपर्क के लिये टीमों की व्यवस्था की। इसी कारण अब भाजपा प्रत्याशी के लिये महिला मोर्चे की कार्यकर्ताओं की जमकर तारीफहो रही है। स्वयं राष्ट्रीय अध्यक्ष वनिता श्रीनिवासन व प्रदेश अध्यक्ष मीरा नारोलिया ग्वालियर में महिला मोर्चा प्रभारी उपेन्द्र सिंह वैश की खुले मंच पर तारीफकर चुकी हैं।

मनुष्य को जीवन में कभी भी अंहकार नहीं करना चाहिए : घनश्याम शास्त्री

ग्वालियर। दौलतगंज स्थित राजा बाक्षर की गोठ श्री राजा बाक्षर मंदिर में श्रीमदभागवत कथा के छटवें दिन सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पं. घनश्याम शास्त्री महाराज ने बताया कि जो मनुष्य को शास्त्रों में बताये गए बातों का अपने जीवन में पालन करना चाहिए। अपने मन की मर्जी से पशु जीवन यापन करते है। जो भी मनुष्य शास्त्रों के बताये गए मार्ग पर चलता है वही मानव कहलानें के योग्य होता है।

मनुष्य को हमेशा गाय की सेवा करनी चाहिए और कभी भी गोमांस का सेवन नहीं करना

चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने भी गौमाता की सेवा की थी। मनुष्य को जीवन में कभी भी अंहकार नहीं करना चाहिए क्योंकि अंहकारी मनुष्य से भगवान कभी खुश नहीं होते है और उसका सबकुछ छीन लेते है। भगवान कभी भी बुरे कार्य करने वाले मनुष्य पर प्रसन्न नहीं होते है। मनुष्य को अपने हर काम को ईमानदारी से करना चाहिए। हर सनातनी को कथा, पूजा- पाठ, जागरण में भारतीय वस्त्र का प्रयोग करना चाहिए। मनुष्य को पुण्य की प्राप्ति के लिए अपने धर्म के नियमों का पालन करना चाहिए। मनुष्य को अधिक शक्ति और अधिक पैसे की प्राप्ति होने पर भी सहनशील होना चाहिए। मनुष्य को जीवन में संकट आने पर घबराना नहीं चाहिए और भगवान की शरण में चले जाना चाहिए।

मनुष्य अपने जीवन में काफी गलती करता है लेकिन गलती होने पर मनुष्य को उन गलतियों से सीख कर अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। कथा के अंत में मंदिर के महंत तरुण सूर्यवंशी एवं परीक्षित अनुप्रिया परीक्षित अनीता सुरेश बंसल एवं उनके परिवार ने श्रीमद् भागवत पुराण की आरती की आरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

जिला चिकित्सालय में निःशुल्क भोजन वितरण किया गया

ग्वालियर। व्यापार संघ थाटीपुर द्वारा माधवराव सिंधिया जिला चिकित्सालय मुरार में संचालित प्रतिदिन निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम के तहत कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा ने गुरूवार को 400 लोगों को भोजन का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में उपस्थित अतिथियों का संस्था के पदाधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा द्वारा भोजन वितरण कार्यक्रम के निरंतर संचालन की सराहना की गई एवं यथासंभव सहयोग का वचन दिया गया। सीए प्रमोद गुप्ता ने कहा की जरूरतमंदों को भोजन कराना संसार में सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है एवं इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर जारी रहना चाहिए। इस मौके पर वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रमोद गुप्ता, व्यापार संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र खण्डेलवाल, व्यापार संघ के विकास गुप्ता, नरेश बंसल, नीरज यादव, महेश सिंह आदि उपस्थित थे।

पुरस्कार वितरण के साथ वल्लभाचार्य जी के प्राकट्य उत्सव का समापन

ग्वालियर। अंतरराष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद के तत्वावधान में मनाए जा रहे जगतगुरु महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के पांच दिवसीय प्राकट्य उत्सव दौलतगंज स्थित श्री गिर्राज धर्मशाला में विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक आयोजनों के साथ आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ।

संस्था के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गोयल एवं महामंत्री मोहनदास अग्रवाल ने बताया कि जगतगुरु महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के प्राकट्य उत्सव के द्वितीय दिवस पर आयोजित की गई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के परिणाम घोषित कर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कोटा से वैष्णवाचार्य शरद कुमार महाराज ने प्रश्नोत्तरी स्पर्धा के सभी आयु वर्ग के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया एवं आशा व्यक्त की कि ये सभी प्रतिभाएं वैष्णव समाज की उन्नति में महती भूमिका निभाते हुए समय के पटल पर स्वयं को समाजोपयोगी सिद्ध

करेंगी। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद के केन्द्र से पधारे पदाधिकारीगण सर्वश्री लक्ष्मीनारायण नीमा, बद्रीलाल चौधरी, हेमंत सक्सेना, राधेश्याम विजयवर्गीय, ग्वालदास अग्रवाल एवं राखी व्यास को वैष्णवाचार्य शरद कुमार महाराज ने पुष्टिरत्न के अति सम्मानित अलंकरण से विभूषित कर समाज के प्रति उनके योगदान को सराहा। वहीं शहर के जिन वैष्णव समाजबंधुओं ने सक्रिय योगदान दिया, उन सभी को भी महाराजश्री ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। तदुपरांत वैष्णवाचार्य शरद कुमार महाराज जी के मंगल दिव्य प्रवचन हुए। प्राकट्य उत्सव के अंतिम दिन जगतगुरु महाप्रभु को केशर स्नान कराया गया। तिलक आरती की गई। शाम को पोतना प्रसादी के साथ इस उत्सव का समापन हुआ। इस अवसर पर जमुनादास नागर, कुम्भन अग्रवाल, मुरली मनोहर अग्रवाल, परमानन्द अग्रवाल, हरिश्याम अग्रवाल, प्रणय अग्रवाल ष्पप्पू, राजेश सोनी, पुष्पा रस्तोगी, सीता नाहर, ममता गोयल, अमिता दवे, कुंजलता अग्रवाल, नीलिमा अग्रवाल, गोविन्द जोहरी, मदनलाल राठी, लक्ष्मणदास सिंहल, रामनारायण शर्मा, सौरभ माहेश्वरी, आनंद अग्रवाल रंगवाले, पुरुषोत्तम सिंहल, अनुभव सिंहल, प्रणय सिंहल, यमुनेश नाहर, नवनीत अग्रवाल, उदित मंगल, राजीव गर्ग, अंकित खण्डेलवाल, संदीप जैन, कपिल भार्गव, एड. आदित्य भार्गव, अरूण चौबे ष्मथुरा वालेष्, यमुनेश नागर, गिरराज नागर, रजनीश व्यास, त्रिलोकीनाथ व्यास, शशि किरण मुखिया, राखी नागर मुखिया, बृजेश गोयल, सुदर्शन गोयल आदि उपस्थित रहे।

पूर्वी हवा चली तो दिन का पारा तीन अंक गिरा

- हल्के बादल भी देखे गये, अब फिर से चढेगा पारा

ग्वालियर। छटवे दिन गुरूवार को फिर से दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के नीचे आ गया है। बीते दिन बुधवार को इस सीजन का सर्वाधिक तापमान दर्ज हुआ था। लेकिन शाम होते होते मौसम ठंडा हो गया। रात भर पूर्वी हवाएं चली वहीं हल्के बादल बने हुये थे। इसी तरह कुछ असर गुरूवार को भी देखने को मिला। फिर भी दिन भर चटक धूप निकली। सूरज व बादलों का लुका छिपी का खेल चला। इसके बाबजूद दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया।

स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार बीते दिन बुधवार को अधिकतम तापमान 42. 7 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। जबकि गुरूवार को 2 9 अंक घटकर दिन का तापमान 39. 0 डिग्री सेल्सियस आंका गया। यह सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ इसी तरह बीते दिन बुधवार को न्यूनतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

लेकिन गुरूवार को 1.1 अंक घटकर 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। यह सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया।गुरूवार को सुबह की आर्दता 53 प्रतिशत तथा शाम की आर्दता 35 प्रतिशत आंकी गई। मौसम वैज्ञानिक हुकुम सिंह ने बताया कि पूर्वी हवा के चलने से झुलसाने वाली हवाओं से राहत मिल गई थी। वहीं हल्के बादज आ जाने से गुरूवार को दिन का तापमान लगभग 3 अंक नीचे लुढक आया। वहीं शहरवासियों को कुछ राहत महसूस हुई। लेकिन अब फिर से हवाओं की दिशा बदलने और आसमान पर छाए बादल छंटने से दिन का तापमान उपर छलांग लगाएगा । फिलहाल मौसम में बार बार बदलाव बना रहेगा। तापमान में भी उतार चढाव देखने को मिलेगा।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था में सुधार के दावों के बावजूद लोगों को अपना घरेलू खर्च चलाना हुआ मुश्किल

सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने अपने ताजा आंकड़े में बताया है कि पिछले तीन वर्षों में देश के परिवारों की शुद्ध बचत नौ लाख करोड़ रुपए से अधिक घट गई है। किसी देश की अर्थव्यवस्था की सेहत इस बात से भी आंकी जाती है कि उसकी राष्ट्रीय बचत किस स्थिति में है। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से होड़ करती हुई आगे बढ़ रही है। मगर इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि यहां राष्ट्रीय घरेलू बचत का रुख नीचे की तरफ बना हुआ है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने अपने ताजा आंकड़े में बताया है कि पिछले तीन वर्षों में देश के परिवारों की शुद्ध बचत नौ लाख करोड़ रुपए से अधिक घट गई है। जारी आंकड़ों के मुताबिक वित्तवर्ष 2020-21 में परिवारों की शुद्ध बचत 23.29 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी, जो 2022-23 में घट कर 14.16 लाख करोड़ रुपए रह गई। यह स्थिति तब है जब देश में विदेशी मुद्रा की आवक बढ़ी है। विदेशों में रह रहे भारतीयों ने 2022 में एक सौ ग्यारह अरब डालर भारत भेजे। इस तरह हम दुनिया का पहला देश बन चुके हैं, जहां सौ अरब डालर या उससे अधिक विदेशों से भेजा गया धन प्राप्त हुआ है।

हालांकि समीक्ष्य अवधि में म्युचुअल फंड में निवेश बढ़ कर तीन गुना और शेयरों तथा डिबेंचर में परिवारों का निवेश बढ़ कर दोगुना हो गया है। मगर इसके बरक्स सच्चाई यह भी है कि पिछले तीन वर्षों में परिवारों पर कर्ज का बोझ बढ़ कर दोगुना हो चुका है। इसमें परिवारों द्वारा गैरवित्तीय बैंकों से लिया गया कर्ज चार गुना बढ़ा है। यह अवधि कोरोनाकाल के दौरान और उसके बाद की है। उस दौरान भविष्य निधि खाते से निकाले गए धन में भी बेतहाशा बढ़ोतरी दर्ज हुई थी। यानी कोरोनाकाल के बाद जिस अर्थव्यवस्था के सुधरने के दावे किए जाते रहे हैं, उसमें लोगों का अपना घरेलू खर्च चलाना मुश्किल बना हुआ है। इससे रोजगार की स्थिति और प्रति व्यक्ति आय के स्तर का भी पता चलता है। देश की तरक्की का तूमार चाहे जितना ऊंचा उठ जाए, पर वह टिकाऊ आम आदमी की हैसियत से ही बनती है। इसलिए यह अपेक्षा अपनी जगह बनी हुई है कि हकीकत से आंखें मिलाते हुए, विकास दर के बरक्स बुनियादी खामियों को दूर करने की कोशिश हो।

मुद्दा: संसाधनों पर निजी अधिकारों का पेच शीर्ष कोर्ट के समक्ष फिर लाया गया यह प्रश्न

**इन निजी अधिकारों की रक्षा करना प्रकृति के नियमों की रक्षा करना है, जो नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का मूल तत्व भी है। इस सामान्य नियम पर अक्सर विवाद होते रहे हैं कि भारत जैसे देश में संसाधनों या संपत्ति पर अधिकार समुदाय का है या फिर निजी व्यक्ति का। ऐसा ही प्रश्न एक बार फिर न्यायालय के समक्ष लाया गया है। संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) तथा (सी) के प्रावधानों की व्याख्या नौ-न्यायाधीशों की एक पीठ द्वारा की जाएगी, जो स्वाभाविक रूप से ऐतिहासिक होगी। लेकिन पहले इस विषय को समझ लेना जरूरी है। गौरतलब है कि कर्नाटक राज्य बनाम रंगनाथ रेड्डी, 1978 मामले में न्यायमूर्ति वी. आर. कृष्णा अय्यर ने कहा था कि संसाधनों पर समुदाय के स्वामित्व की संकल्पना में सभी प्राकृतिक व भौतिक संसाधन तथा सार्वजनिक और निजी संसाधन शामिल होंगे। प्रश्न यह है कि यदि निजी संसाधनों पर व्यक्ति का अधिकार सुरक्षित नहीं है, तो आज की आर्थिक रूप से उदारीकृत व्यवस्था में जब निजी निवेश जरूरी हो गया है, तो हम निवेशकों को कैसे प्रेरित कर पाएंगे? इस पर विचार करने से पहले यह देखना जरूरी है कि संविधान निर्माताओं ने सार्वजनिक और निजी अधिकारों को किस प्रकार संतुलित किया है और वर्तमान परिदृश्य में उसकी व्याख्या कैसे की जानी चाहिए। मूल संविधान में उदारवादी और समाजवादी, दोनों ही विचारों को शामिल किया गया है, जिसके आधार पर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के साथ आवश्यकतानुसार संसाधनों के वितरण पर समान बल है। यही हमारे संविधान की सबसे बड़ी विशेषता है, जिसके लिए वह शासन व्यवस्था को निर्देश देता है, ताकि लोकतांत्रिक समाजवाद के लक्ष्य की प्राप्ति कर भारत को कल्याणकारी राज्य बनाया जा सके। हालांकि हमने समाजवादी विचारों को शामिल करने की प्रेरणा सोवियत संघ से ली है, लेकिन भारतीय समाजवाद अपने आप में अनूठा है, क्योंकि इसमें उदारवादी गुणों का मिश्रण है। इसका अर्थ यह है कि संविधान संसाधनों का आवश्यकतानुसार वितरण कर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने का प्रावधान करता है। इसी कारण अनुच्छेद 39(बी) और (सी) में क्रमशः भौतिक संसाधनों पर समुदाय के स्वामित्व और उत्पादन के साधनों के कुछ लोगों के पास इकट्ठा होने पर रोक लगाने का प्रावधान है। इन्हीं समाजवादी सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए पहले संशोधन अधिनियम 1951 से अनुच्छेद 31 ए, 31 बी और नौवीं अनुसूची को जोड़ा गया था। राज्य द्वारा भूमि अधिग्रहण और उसके वितरण का प्रावधान करने के लिए भूमि सुधार अधिनियमों को नौवीं अनुसूची में शामिल कर उन्हें न्यायिक समीक्षा से छूट दी गई थी। इसी प्रकार, 25वें संशोधन से अनुच्छेद 31सी जोड़कर भूमि सुधार संबंधी निदेशक तत्वों, विशेष कर अनुच्छेद 39(बी) और (सी) को संरक्षण दिया गया है। दूसरी ओर, मूल संविधान में अनुच्छेद 31 के तहत व्यक्तियों को संपत्ति का मूल अधिकार देकर उदारवादी लोकतंत्र की स्थापना की गई थी। यानी व्यक्ति के निजी अधिकारों को भी समान महत्व दिया गया था। 1976 में 42वें संशोधन अधिनियम से संविधान की उद्देशिका में 'समाजवादी' शब्द जोड़े जाने के बाद उदारवादी लोकतंत्र और समाजवादी सिद्धांतों के बीच एक टकराव की स्थिति पैदा हो गई, क्योंकि समाजवादी देशों में संपत्ति पर निजी अधिकारों को वरीयता नहीं दी जा सकती है। इसी कारण, 44वें संशोधन अधिनियम, 1978 से इसे मूल अधिकार से हटाकर अनुच्छेद 300ए में एक कानूनी अधिकार बना दिया गया, ताकि राज्य विधि के तहत निजी संपत्ति का नियमन कर सके। पर इसका मतलब यह नहीं है कि देश में लोगों को निजी संपत्ति का अधिकार नहीं है और राज्य समुदाय के स्वामित्व के नाम पर उसका अधिग्रहण नहीं कर सकता है, जब तक कि संपत्ति निर्धारित सीमा से अधिक नहीं हो। ऐसी व्यवस्था जन कल्याण के उद्देश्य से की गई है। आज जब आर्थिक विकास में निजी निवेश की भूमिका अपरिहार्य हो गई है, इसके बिना जन कल्याण की परिकल्पना नहीं की जा सकती। भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि माना गया है और संसाधनों का वितरण अर्थात समाजवादी सिद्धांत उसकी प्राप्ति के साधन हैं। इसके अलावा, संपत्ति का अधिकार एक प्राकृतिक अधिकार भी है, जिसके कारण इसका मूल तत्व नैसर्गिक न्याय है। भारत में जब मूल अधिकारों की प्रेरणा ली गई, तो जीवन और स्वतंत्रता के अधिकारों को एक साथ रखा गया और संपत्ति के अधिकार को सामुदायिक बनाया गया था। पर इसका अर्थ यह नहीं है कि यहां संसाधनों पर निजी अधिकारों का महत्व कम है और इन्हें छीना जा सकता है। भारतीय संविधान की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह लोकतांत्रिक है तथा निजी अधिकारों व समाजवादी सिद्धांतों के बीच इसमें संतुलन है। बाजार अर्थव्यवस्था के प्रसार के बाद राज्य, बाजार और नागरिक समाज, सभी हितधारकों द्वारा एक साथ समन्वय बनाते हुए कार्य करना आवश्यक है। ऐसी स्थिति में, संविधान में अंतर्निहित सिद्धांतों की उदारवादी व्याख्या जरूरी है। इसी संदर्भ में अनुच्छेद 39(बी) में उल्लिखित समुदाय के स्वामित्व वाले प्रावधानों को भी समझा जाना चाहिए। मौजूदा परिस्थिति में यदि निजी अधिकारों को केवल इस आधार पर निर्बंधित किया गया कि संसाधनों में निजी संपत्ति भी शामिल है, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध होगा। संविधान में संपत्ति का अर्थ मुख्यतः भूमि संसाधन है, क्योंकि अनुच्छेद 39(सी) में उल्लिखित शब्द %उत्पादन के साधन% में मुख्यतः भूमि और पूंजी शामिल हैं, जिनके जमा होने पर रोक लगाई गई है। दूसरी ओर, अनुच्छेद 31सी में भूमि सुधार संबंधी निदेशक तत्वों को अधिकारों पर वरीयता देने का अर्थ निजी अधिकारों को छीनना नहीं है। वस्तुतः अधिकारों और निदेशक तत्वों के बीच सामंजस्य होना चाहिए। अतः संसाधनों पर सामुदायिक स्वामित्व की व्याख्या कर निजी अधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए।

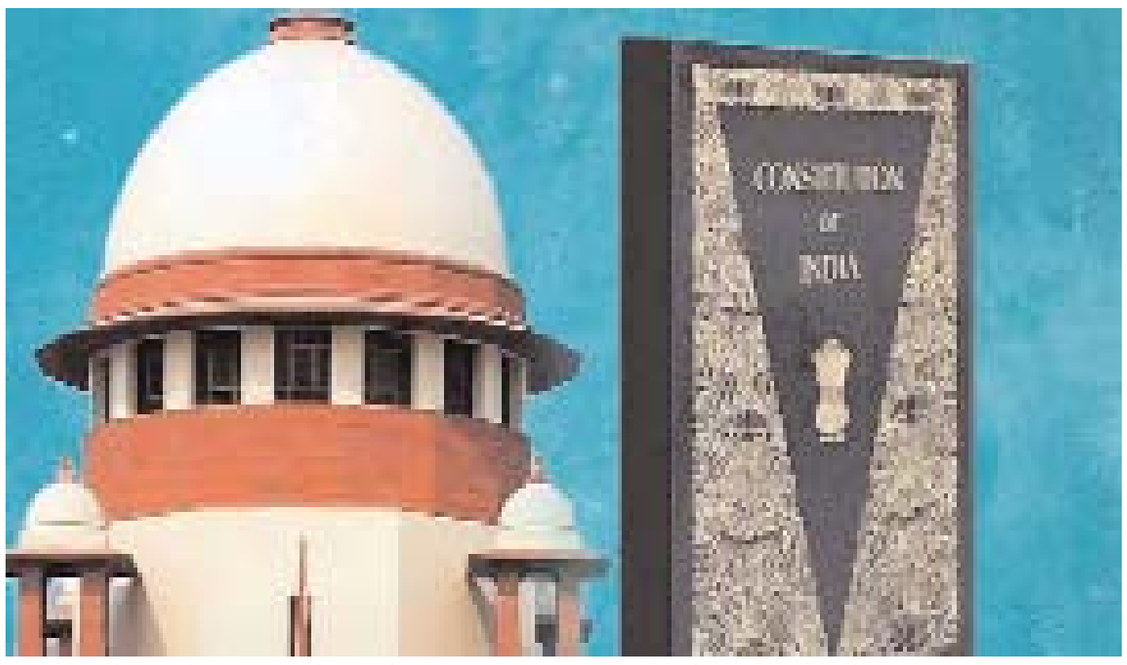

वोट बैंक के राजनीतिक भंवर में क्यों फंसा है भारत का मुसलमान?

चुनावी अभियान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टाइम्स नाउ चैनल को जो इंटरव्यू दिया है, वह एक तरह से मुस्लिम समुदाय को उनका सीधा संबोधन है। इस साक्षात्कार में मोदी ने मुस्लिम समुदाय से आत्ममंथन करने की अपील की है। 2002 के गुजरात दंगों के बाद नरेंद्र मोदी की विशेषकर मुस्लिम समुदाय में जैसी छवि बनी या बनाई गई, उसकी वजह से मुस्लिम समुदाय को उनका सीधा संबोधन हैरतअंगेज लग सकता है। मोदी के प्रति मुस्लिम समुदाय के बड़े हिस्से की धारणा यही है कि वे उनके विरोधी हैं। मोदी को लेकर मुस्लिम समुदाय के मन में किस तरह का भाव है, और वह कितना गहरा है, इसका एक उदाहरण कोरोना की महामारी के दौरान इंदौर से आए एक वीडियो से जाहिर होता है। इलाज से कोरोना मुक्त हो चुके एक मुस्लिम परिवार के लोग जब कोरोना केंद्र से अपने घर के लिए निकले तो उन्हें पत्रकारों से मिलवाया गया। एक निश्चित दूरी पर स्थित पत्रकारों ने उस परिवार का फोटो लिया और उनकी प्रतिक्रिया पूछी तो उस परिवार के एक नन्हें बच्चे ने बिना लाग लपेट के कह दिया था कि मोदी को मारेंगे। वह वाकया इस बात का सबूत है कि उस संभ्रांत से दिखने वाले उस परिवार में प्रधानमंत्री मोदी को लेकर कैसी बातें होती होंगी, जिसका असर बच्चे के मन पर पड़ा था। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी इस छवि को तोड़ने की कोशिश की है। एक टीवी इंटरव्यू के जरिए उन्होंने मुसलमान समुदाय के पढ़े-लिखे लोगों से अपील की है कि वे आत्ममंथन करें। उन्होंने यह भी कहा कि आप सोचिए कि देश आगे बढ़ रहा है, फिर भी आपके समुदाय में कमी महसूस हो रही है। इसकी वजह क्या है। क्या वजह रही कि कांग्रेस के शासन काल में सरकारी योजनाओं का फायदा मुस्लिम समुदाय को नहीं मिला। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत में जब योग की बात की जाती है तो उसे मुस्लिम विरोधी बता दिया जाता है। जबकि अरब देशों में योग स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल हो गया है। मुस्लिम वोट बैंक को लेकर यह स्थापित अवधारणा है कि कुछ भी हो जाए, वह भारतीय जनता पार्टी का समर्थन नहीं कर सकता। इसके साथ ही मुस्लिम समुदाय की रहनुमाई करने वाले कुछ दल भी स्थापित हैं। जिनमें सबसे पहला नाम कांग्रेस का आता है। उसके बाद समाजवादी खेमे के दल आते हैं। इन दिनों बिहार में लालू प्रसाद यादव का राष्ट्रीय जनता दल मुस्लिम वोट बैंक पर अपना एकाधिकार मानता है तो उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को लेकर भी ऐसी ही सोच है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी इस समुदाय की इन दिनों बड़ी हमदर्द हैं। एक दौर में कांग्रेस का पूरे देश के मुस्लिम वोट बैंक पर एकाधिकार था। इसके बाद समाजवादियों ने इसमें सेंध लगानी शुरू की। इसके लिए उन्होंने उर्दू की शब्दावली का इस्तेमाल शुरू किया। कांग्रेस के स्वर्णिम दिनों के कोलाइडोस्कोप की खूबसूरती का आधार ब्राह्मण, मुसलमान और दलित मतदाताओं का कोलाज था। लेकिन समाजवादी क्षत्रपों के उभार के बाद मुस्लिम वोट बैंक के एकाधिकार की कांग्रेसी अवधारणा छीजने लगी। इसके साथ ही कांग्रेस का राजनीतिक आधार सिमटने लगा। दिलचस्प यह है कि मुस्लिम रहनुमाई वाले सभी दलों में एक चीज समान थी। उन्होंने मुस्लिम वोट बैंक को सिर्फ और सिर्फ यह डर दिखाया कि बीजेपी आ जाएगी तो मुसलमानों का नाश कर देगी। एक हद तक बीजेपी की अपनी राजनीति भी इसके लिए जिम्मेदार रही। इसी डर में पूरे देश में मुस्लिम वोट बैंक उस दल की ओर एकमुश्त समर्थन देता रहा, जो बीजेपी को हराने की कूव्वत रखता हो या जिसके जरिए बीजेपी को हराना संभव हो। मुस्लिम वोट बैंक का यह डर कम से कम पिछले बीस सालों में समाप्त हो जाना चाहिए था। नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद %सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास% का जो नारा दिया, उसका एक मकसद मुस्लिम समुदाय को भी सहभागी बनाना था। प्रधानमंत्री का ताजा बयान उनके इस नारे का विस्तार कहा जा सकता है। बीजेपी के कथित डर के आधार पर बने मुस्लिम वोट बैंक को अव्वल तो उन दलों के शासन में सरकारी योजनाओं का भरपूर फायदा मिलना चाहिए था, जिन्होंने उनके वोटों के दम पर सत्ताएं हासिल कीं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुस्लिम समुदाय का अधिसंख्य हिस्सा अब भी गरीबी और अशिक्षा की मार झेल रहा है। इससे साबित होता है कि मुस्लिम समुदाय को मुख्यधारा में लाने की उन दलों की ओर से गंभीर कोशिश नहीं हुई, जिन्होंने उन्हें अपने राजनीतिक आधार के लिए वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया और उनके मत के दम पर कभी केंद्र तो कभी राज्य में राज हासिल किया। वोट बैंक बनने का एक असर यह हुआ कि मुस्लिम समुदाय का एक तबका प्रगति की धारा से जुड़ने में हिचकता रहा। वह खुद को अपने पुराने सामाजिक और राजनीतिक खांचे में ही बांधे रखने में ही अपनी भलाई देखता रहा। इसका असर यह भी हुआ कि मुस्लिम समुदाय का बड़ा हिस्सा आधुनिक शिक्षा से वंचित रहा। उनके मजहबी रहनुमा भी उनको इसी हाल में रखकर अपनी राजनीति साधते रहे। मुस्लिम समुदाय के अगड़े तबके के लोग शिक्षा हासिल करते रहे, आगे बढ़ते रहे, उनके बच्चे अमेरिका और ब्रिटेन की चमकीली दुनिया में पढ़ने और नौकरी करने के लिए जाते रहे। जबकि जिस तबके के वोट बैंक के आधार पर उन्हें राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक ताकत हासिल हुई, वह तबका पिछड़ा ही रहा। इसका असर यह हुआ कि हर सामाजिक बदलाव को मुस्लिम समुदाय कभी खुद तो कभी अपने कथित नेतृत्व वाले दलों और नेताओं के बहकावे में अपने सामाजिक विकास को अपनी परंपराओं और संस्कृति पर कुठाराघात मानता रहा। इसकी वजह से वह दूसरे समुदायों के साथ सहज ही घुलने-मिलने से बचता रहा। चुनावों के बीच मुस्लिम समुदाय के प्रगतिवाद विरोधी रूख की ओर ध्यान दिलाकर प्रधानमंत्री मोदी ने डर की बुनियाद पर विकसित मुस्लिम वोट बैंक की ओर जहां मुस्लिम समुदाय का ध्यान दिलाने की कोशिश की है, वहीं इसके जरिए उनकी रहनुमाई करने वाले दलों की ओर सवालिया निशान भी लगा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी भी राजनीति में हैं। इसलिए उनके इस बयान में राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश नजर आती है तो इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता। लेकिन यह सच है कि मोदी ने मुस्लिम समुदाय के इस अंतर्विरोध पर मुस्लिम समुदाय के ही लोगों का ध्यान दिलाने की कोशिश करके एक तरह से शांत पड़े तालाब में पत्थर उछाल दिया है।

यह बात और है कि इससे उठने वाली लहरें उन दलों के वजूद को चुनौती दे सकती हैं, जिनका बड़ा राजनीतिक आधार मुस्लिम वोट बैंक भी है। चूंकि इस पर चर्चा से मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करने वाले दलों पर बड़ा सवाल उठ सकता है, शायद यही वजह है कि इस मसले पर जितनी गहन चर्चा होनी चाहिए, वैसी नहीं हो रही है।

परिवहन: पहिए सांसों को रौंद रहे हैं

दिन-प्रतिदिन वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी के दो कारण हैं- आवश्यकता एवं महत्वाकांक्षा। ज्यादातर दोपहिया वाहन 'आवश्यकता', तो कई चौपहिया वाहन 'महत्वाकांक्षा' पूरी करने के लिए खरीदे जाते हैं। चौपहिया वाहन अधिकतर सिर्फ इसलिए खरीदे जाते हैं, ताकि सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़े। जिन लोगों के पास पहले से चौपहिया वाहन मौजूद हैं, वे अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और बढ़ाने के लिए महंगी गाड़ियां खरीदते हैं। इस तरह परिवार के हरेक सदस्य के पास अपना चौपहिया वाहन होता है, जिन्हें वे बिना पुल किए सड़क पर चलाते हैं।

भारत में तेजी से हो रहे शहरीकरण के चलते मोटर वाहनों की संख्या में जबर्दस्त वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार के परिवहन मंत्रालय के वाहन पोर्टल के अनुसार, आज देश में लगभग 37 करोड़ वाहन पंजीकृत हैं। वाहनों की संख्या में दिन-प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है, जो वायु प्रदूषण का मुख्य कारण है। मोटर वाहन वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड के अलावा कई विषाक्त पदार्थ उत्सर्जित करते हैं, जो स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी, दोनों पर ही गंभीर प्रभाव डालते हैं। दिन-प्रतिदिन वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी के दो कारण हैं- आवश्यकता एवं महत्वाकांक्षा। ज्यादातर दोपहिया वाहन 'आवश्यकता', तो कई चौपहिया वाहन 'महत्वाकांक्षा' पूरी करने के लिए खरीदे जाते हैं। चौपहिया वाहन अधिकतर सिर्फ इसलिए खरीदे जाते हैं, ताकि सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़े। जिन लोगों के पास पहले से चौपहिया वाहन मौजूद हैं, वे अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और बढ़ाने के लिए महंगी गाड़ियां खरीदते हैं। इस तरह परिवार के हरेक सदस्य के पास अपना चौपहिया वाहन होता है, जिन्हें वे बिना पुल किए सड़क पर चलाते हैं।

सड़क पर वाहनों की सघनता और भीड़ बढ़ाने में ऐसे लोगों का प्रमुख योगदान होता है। हालांकि आज चौपहिया वाहन की खरीद पूरी तरह से महत्वाकांक्षा न होकर जरूरत भी बन गई है, खासकर ऐसे शहरों में, जहां सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था ठीक नहीं है। लोग भीड़ से बचने के साथ-साथ अपना समय भी बचाना चाहते हैं। बहरहाल, सड़कों पर आज हर जगह जाम है और इस समस्या ने छोटे शहरों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। हर तरफ वाहनों का धुआं एवं शोर है। सभी सरकारें चाहती हैं कि वाहनों की बिक्री साल दर साल बढ़ती रहे। इसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन मानव स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी को जरूर प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बढ़ते वाहनों से न सिर्फ हमारी सड़कें संकरी प्रतीत होती हैं, बल्कि सड़कों को चौड़ा करने तथा वैकल्पिक मार्ग व फ्लाईओवर इत्यादि बनाने का आर्थिक बोझ भी बढ़ने लगता है और फिर एक दिन बढ़ते ट्रैफिक के कारण ये वैकल्पिक मार्ग एवं फ्लाईओवर भी नाकाफी हो जाते हैं। सड़कों पर वाहनों की बेलगाम भीड़ और एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ के चलते सड़क हादसे भी होते रहते हैं। ये वाहन पैदल चलने वालों के लिए भी खतरा बनते हैं। वर्ष 2022 में ही कुल 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें 1,68,491 लोगों की जानें गईं एवं 4,43,366 लोग घायल हुए। सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले लगभग 67 फीसदी लोग 18-45 आयु वर्ग के थे, जबकि लगभग 84 फीसदी लोग 18 से 60 वर्ष की उम्र के कामकाजी लोग थे। हालांकि आजकल विद्युतीय वाहनों की चर्चा हो रही है। ऐसे वाहनों से वायु प्रदूषण से कुछ हद तक राहत तो जरूर मिल सकती है, परंतु सड़कों पर सघन यातायात से नहीं। ऐसा ही हाइड्रोजन आधारित वाहनों के लिए भी कहा जा सकता है। ऐसे में सड़कों पर वाहनों की भीड़ कम करने के क्या उपाय हैं? इसके लिए हम छोटी-छोटी दूरी पैदल या साइकिल से तय कर सकते हैं।

अपना वाहन पूल कर सकते हैं तथा ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक यातायात प्रणाली का उपयोग कर सकते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं पर लगाम लगाने के साथ हमें प्रकृति एवं आगामी पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के बारे में भी सोचने की जरूरत है। बढ़ते वैश्विक तापमान को देखते हुए हमें स्वयं जलवायु परिवर्तन पर अंकुश लगाने के उपाय करने होंगे। सरकार एवं नीति निर्माताओं को भी वाहनों की अंधाधुंध बिक्री एवं खरीद को विनियमित करने की जरूरत है। प्रत्येक परिवार के लिए जरूरत के हिसाब से एक या दो वाहनों को खरीदने की सीमा तय की जा सकती है। हालांकि इस बारे में सभी हितधारकों से सुझाव मांगकर विस्तृत रूपरेखा तैयार करनी होगी। इसके अलावा, बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों में भी 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' को सुदृढ़ करने पर जोर देना होगा। पिछले कुछ वर्षों में सड़कों के निर्माण पर अच्छा काम हुआ है, लेकिन सिर्फ सड़कें बिछाने से काम नहीं होगा। जरूरत है, उन सड़कों को सुरक्षित बनाने एवं नियमित परिवहन व्यवस्था चलाने की। अगर जल परिवहन के विकास पर जोर दिया जाए, तो कुछ हद तक राहत मिल सकती है।

भारत में कोरोना टीकाकरण सवालों के घेरे में, कंपनी ने कोर्ट में दुष्प्रभाव स्वीकारा

अब कंपनी ने दुनिया भर से अपने टीके वापस मंगाने का फैसला किया है। इससे भारत में भी लोगों में एक प्रकार का खौफ पैदा हो गया है। दरअसल, भारत में लगाया गया कोविशील्ड टीका एस्ट्राजेनेका के फार्मूले पर ही तैयार किया गया, जिसका उत्पादन पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट ने किया था। हमारे यहां इसके टीकाकरण को लेकर शुरू में ही विवाद छिड़ गया था। तब विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि उचित प्रक्रिया से परीक्षण किए बगैर इसे व्यापक स्तर पर लगाया जा रहा है। मगर तब सरकार, तमाम चिकित्सा विशेषज्ञ, यहां तक कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने भी बार-बार लोगों को आश्वस्त किया था कि कोरोना के टीके पूरी तरह सुरक्षित हैं।

हमारे यहां टीकाकरण को लेकर शुरू में ही विवाद छिड़ गया था। तब विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि उचित प्रक्रिया से परीक्षण किए बगैर इसे व्यापक स्तर पर लगाया जा रहा है। एक बार फिर भारत में हुआ कोरोना टीकाकरण सवालों के घेरे में आ गया है। दरअसल, ब्रिटेन की कोरोना टीका बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने वहां के उच्च न्यायालय में स्वीकार किया है कि उसके टीके का दुर्लभ मामलों में दुष्प्रभाव हो सकता है। इससे खून के थक्के जमने, खून में प्लेटलेट घटने और इस वजह से दिल का दौरा पड़ने का खतरा हो सकता है। अब कंपनी ने दुनिया भर से अपने टीके वापस मंगाने का फैसला किया है। इससे भारत में भी लोगों में एक प्रकार का खौफ पैदा हो गया है। दरअसल, भारत में लगाया गया कोविशील्ड टीका एस्ट्राजेनेका के फार्मूले पर ही तैयार किया गया, जिसका उत्पादन पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट ने किया था। हमारे यहां इसके टीकाकरण को लेकर शुरू में ही विवाद छिड़ गया था। तब विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि उचित प्रक्रिया से परीक्षण किए बगैर इसे व्यापक स्तर पर लगाया जा रहा है। मगर तब सरकार, तमाम चिकित्सा विशेषज्ञ, यहां तक कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने भी बार-बार लोगों को आश्वस्त किया था कि कोरोना के टीके पूरी तरह सुरक्षित हैं। मगर इस हकीकत से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि कोविशील्ड को चूंकि ब्रिटेन में मान्यता मिल चुकी थी, इसलिए भारत में उसे तीन के बजाय दो चरण में परीक्षण कराने के बाद ही मंजूरी दे दी गई थी। टीकाकरण के बाद यहां भी कई लोगों ने शिकायत करनी शुरू कर दी थी कि उनके शरीर पर टीके का दुष्प्रभाव पड़ा है। पिछले साल जब देश में दिल का दौरा पड़ने के मामलों में उछाल दर्ज किया गया, उत्सवों में नाचते, कसरत करते या खेलते हुए अचानक लोगों के गिर कर मर जाने की घटनाएं बढ़ गईं, तो इसे लेकर संसद के मानसून सत्र में सवाल भी पूछे गए। तब स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि इस पर अलग-अलग संस्थाएं अध्ययन कर रही हैं और उनके नतीजे आने के बाद स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी। मगर अभी तक इससे जुड़े एक भी अध्ययन की रिपोर्ट सामने नहीं आ सकी है। अब भी चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी टीके का दुष्प्रभाव उसके लगाने के चार से छह हफ्तों में प्रकट हो जाते हैं। अब दो साल से अधिक समय बीत जाने के बाद ऐसा कोई खतरा नहीं रह गया है। मगर लोगों में इसके दुष्प्रभावों को लेकर जो भय पैदा हो गया है, उसके निराकरण की दरकार बनी हुई है। यह ठीक है कि जिस तरह कोविड ने पांव पसारना शुरू किया था और उसकी चपेट में आकर लोगों की मौत हो रही थी, उस पर काबू पाने के तत्काल उपाय की जरूरत थी। ऐसे में कोविशील्ड और कोवैक्सीन के उत्पादन से काफी राहत मिली थी। मगर सरकार इस तथ्य से आंख नहीं चुरा सकती कि टीकाकरण में जल्दबाजी दिखाई गई और इन्हें लेने के लिए लोगों को बाध्य किया गया। यह भी तथ्य है कि दुनिया का कोई भी टीका सौ फीसद सुरक्षित होने का दावा नहीं कर सकता, हर किसी का कोई न कोई दुष्प्रभाव होता ही है। मगर इस आधार पर कोविशील्ड और कोवैक्सीन को संदेह के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता। अभी तक सरकार कोरोना से हुई मौत के वास्तविक आंकड़े न जारी करने को लेकर सवालों से घिरी हुई है, अगर कोविशील्ड को लेकर भी उसने टालमटोल का रवैया अख्तियार किया, तो विवाद और बढ़ेगा ही।

रियल मैड्रिड UEFA चैंपियंस लीग के फाइनल में सेमीफाइनल के दूसरे लेग में म्यूनिख को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने 9 मई को सेमीफाइनल के दूसरे लेग में बायर्न म्यूनिख को 2-1 से हराया। इस तरह दोनों लेग को मिला कर रियल मैड्रिड ने 4-3 से फाइनल में प्रवेश कर लिया।

इससे पहले सेमीफाइनल के पहले लेग में दोनों टीमों ने 2-2 गोल किया था। 14 बार के यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड का सामना फाइनल में शनिवार 1 जून को वेम्बली में डॉर्टमंड से होगा। रियल मैड्रिड के लिए दोनों गोल जोसेलु (जोस लुइस माटो) ने किया। वहीं म्यूनिख के लिए एक मात्र गोल डेविस ने किया।

बायर्न म्यूनिख के डेविस ने किया पहला गोल

दोनों टीमें हाफ टाइम तक बराबरी पर थीं। मैच के 68वें मिनट में म्यूनिख के डेविस ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी और फाइनल के लिए राह आसान कर दिया। उन्होंने सेंटर सर्कल में साथी खिलाड़ी केन के बायीं ओर से दिए पास को गोल में तब्दील कर टीम को मैच में आगे कर दिया।

जोसेलु के गोल कर लेकर रहा विवाद

वहीं मैच के 88 वें मिनट में जोसेलु ने एंटोनियो रुडिगर के पास को गोल में तब्दील कर टीम को बराबरी पर ला खड़ा किया। जोसेलु के इस गोल को लेकर विवाद रहा। शुरुआत में गोल को ऑफ साइड करार दिया गया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी ने गोल को सही करार दिया। वहीं उन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल 91वें मिनट में किया और इस तरह रियल मैड्रिड इस मैच में म्यूनिख से 2-1 से आगे हो गया।

वहीं पहले लेग के खेले गए सेमीफाइनल में दोनों टीमें ने 2-2 गोल किए थे। यह मैच 2-2 की बराबरी पर था। ऐसे में दोनों लेग को मिला कर रियल मैड्रिड के चार गोल हो गए, जबकि बायर्न म्यूनिख के 3 गोल रहा।

कैसे दो लेग में होते है मुकाबले

राउंड ऑफ 16 से लेकर सेमीफाइनल तक के मुकाबले 2 लेग में खेले जाते हैं। एक-एक मैच दोनों क्लबों के घर में होते है। दोनों लेग में कुल मिला कर ज्यादा गोल करने वाली टीम को विजयी घोषित किया जाता है।

दुनिया की सबसे बड़ी फुटबॉल लीग 'चैंपियंस लीग' का यह 32वां सीजन है। जिसका चैंपियन 10 जून को मिला जाएगा। लीग की शुरुआत 1955-56 में हुई थी। तब यूरोपियन यूनियन ऑफ फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित लीग का नाम यूरोपियन चैंपियंस कप था। 1992 में नाम बदलकर UEFA चैंपियंस लीग कर दिया गया। हर सीजन इसमें 32 टीमें हिस्सा लेती है। इन टीमों को 8 ग्रुप में बांटा जाता है।

युवराज सिंह ने कोहली को बताया तीनों फॉर्मेट का बेस्ट बैटर, कहा वह वर्ल्ड कप मेडल जीतने का हकदार

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की तारीफ करते हुए उन्हें मौजूदा दौर का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज कहा है। पिछले साल आईसीसी मेन्स वनडे विश्व कप में विराट कोहली ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए थे। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। विराट कोहली जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारतीय स्क्वॉड में हैं और वह छठी बार ये टूर्नामेंट खेलने उतरेंगे। 2011 में वनडे विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे विराट कोहली को लंबे समय से ट्रॉफी का इंतजार है और युवराज सिंह का मानना है कि वह इसके हकदार हैं।

युवराज सिंह ने कहा कि यह स्टार बल्लेबाज किसी और से भी ज्यादा विश्व कप पदक जीतने का हकदार है। आईसीसी से बातचीत में युवराज सिंह ने कहा, वह निश्चित रुप से इस दौर के सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है। इस पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। मुझे लगता है तीनों फॉर्मेट का और मुझे लगता है कि वह भी ऐसा व्यक्ति है जिसे वर्ल्ड कप मेडल की जरूरत है। उसके पास एक है। मुझे पता है कि वो एक से संतुष्ट नहीं है। मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से उस पदक का हकदार भी है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि वह अपना गेम अच्छे से जानता है। वह जानता है कि अगर वह आखिर तक रहा तो वह भारत के लिए मैच जीत सकता है और उसने कई बड़े मौकों पर ये करके दिखाया है। एक बार जब उसमें चेज करने का आत्मविश्वास आ गया और वह स्थिति को जानता था, तो वह जानता था कि इन परिस्थितियों में कैसे बल्लेबाजी करनी है, वह जानता है कि किस गेंदबाज पर आक्रमण करना है, किस गेंदबाज पर सिंगल लेना है, कब फिर से आक्रमण करना है, दबाव को संभालना है और कब अपना खेल बदलना है।

लखनऊ के मालिक कैप्टन केएल राहुल पर भड़के, 10 विकेट से हार के बाद मैदान पर ही कैप्टन और कोच से बातचीत की

नई दिल्ली। आईपीएल में 8 मई को लखनऊ सुपर जॉयंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने 10 विकेट से हराया। हार के बाद स्तब्ध के मालिक संजीव गोयनका ने कैप्टन केएल राहुल और कोच जस्टिन लैंगर से मैदान पर ही बातचीत की। इस बातचीत का वीडियो सामने आया है, जिसमें गोयनका केएल राहुल पर भड़कते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल हो गया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स और क्रिकेट फैंस गोयनका पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि केएल राहुल जैसे प्लेयर के साथ इस तरह की बातचीत गलत है। एक यूजर बोला कि ये बातचीत मैदान की बजाय टीम मीटिंग में की जा सकती थी। गोयनका के केएल राहुल पर भड़कने का वीडियो, इसे कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर शेयर किया

मैच के बाद केएल राहुल बोले- हार के बाद फैसले पर सवाल होते हैं

मैच के बाद केएल राहुल ने कहा कि जब आप एक बार हारने लगते हैं तो आपके लिए गए फैसलों पर सवाल खड़ा किया जाने लगता है। हमने 40-50 रन कम बनाए। पावर प्ले में विकेट भी गंवाए। आयुष और निकोलस ने अच्छी बैटिंग कर हमें 166 रन तक पहुंचाया।

राहुल ने ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की पारी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह असंभव सी बल्लेबाजी थी। दोनों ने अपनी सिक्स हिटिंग स्किल्स पर कड़ी मेहनत की है।

लखनऊ की एकतरफा हार हुई, 5 बातें टीम के खिलाफ गईं

लखनऊ ने धीमी पिच पर टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया। 165 रन बनाए।

केएल राहुल ने 33 बॉल पर 29 रनों की धीमी पारी खेली।

पावर प्ले में लखनऊ ने 27 रन बनाए और 2 विकेट खोए। हैदराबाद पावर प्ले में बिना विकेट 100 रन पार कर चुकी थी।

सनराइजर्स ने 166 रन का टारगेट 9.4 ओवर में चेज किया। यह टूर्नामेंट में 150+ स्कोर का सबसे तेज रन चेज है।

टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट मैच में केवल 12 रन पर ढेर हो गई पूरी टीम, शर्मनाक रिकॉर्ड बना

नई दिल्ली। एशियाई खेलों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदार्पण करने वाली मंगोलिया की टीम बुधवार को जापान के विरुद्ध केवल 12 रन पर आलआउट हो गई, जो टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरा न्यूनतम स्कोर है।

जापान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 217 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में मंगोलिया की टीम केवल 8.2 ओवर में आउट हो गई। जापान ने इस तरह 205 रन के विशाल अंतर से जीत दर्ज की।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूनतम स्कोर का रिकॉर्ड आइल आफ मैन के नाम पर है, जिसकी टीम 26 फरवरी 2023 को स्पेन के विरुद्ध केवल 10 रन पर आउट हो गई थी।

जापान की तरफ से 17 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज काजुमा कातो स्टैफोर्ड ने 3.2 ओवर में सात रन देकर पांच विकेट लिए, जबकि अब्दुल समद और मकोतो तानियामा ने दो-दो विकेट हासिल किए। मंगोलिया की तरफ से तूर सुमाया ने सर्वाधिक चार रन बनाए।

पता हो कि जापान और मंगोलिया के बीच सात टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली जा रही है। जापान ने दोनों मैच जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई। सीरीज के पहले मैच में जापान ने मंगोलिया को 33 रन पर ऑलआउट कर दिया था। वो मैच जापान ने 166 रन से जीता था। दूसरे मैच में जापान ने 205 रन से जीत दर्ज की और सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई। दोनों देशों के बीच सीरीज का तीसरा मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा।

एसबीआई का चौथी तिमाही में मुनाफा 24 प्रतिशत बढ़कर 20,698 करोड़, 13.70 प्रति शेयर लाभांश देगा बैंक

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार पर 23.98 प्रतिशत बढ़कर 20,698 करोड़ हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही में सरकारी बैंक ने 16,695 करोड़ का नेट मुनाफा दर्ज किया था।

एसबीआई के बोर्ड ने प्रति शेयर 13.70 रुपए के लाभांश यानी डिविडेंड पेमेंट की सिफारिश की है। डिविडेंड के लिए एलिजिबल शेयरहोल्डर्स का निर्धारण 22 मई 2024 को उनकी ओनरशिप के आधार पर किया जाएगा। डिविडेंड पेमेंट 5 जून, 2024 को होगा। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

रिजल्ट के बाद स्टेट बैंक का शेयर 9.20 रुपए या 1.13 प्रतिशत बढ़कर 820 रुपए पर बंद हुआ। शेयर ने 839.65 रुपए का लाइफटाइम हाई भी बनाया। बीते 6 महीने में एसबीआई का शेयर करीब 40 प्रतिशत चढ़ा है। वहीं इस साल अब तक शेयर करीब 28त्न का रिटर्न दे चुका है।

चौथी तिमाही में बैंक की इंटरेस्ट इनकम ब्याज आय सालाना आधार पर 19.46 प्रतिशत बढ़कर 1,11,043 करोड़ रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 92,951 करोड़ रुपए रही थी।

वहीं पिछली तिमाही में बैंक ने ब्याज से 1,06,734 करोड़ की आमदनी की थी। यानी तिमाही आधार पर कंपनी की नेट इंटरेस्ट इनकम 4.03 प्रतिशत बढ़ी है।

सैम अंकल की टिप्पणी चुनावी मुद्दा क्यों ?

सैम अंकल यानि सैम पित्रोदा की एक टिप्पणी से 56 इंच का सीना सिकुड़कर 36 इंच का हो गया। अब्बल तो सैम पित्रोदा का भारतीय राजनीति से फिलहाल कोई सीधा रिश्ता नहीं है और वे अब इतने महत्वपूर्ण भी नहीं रह गए हैं कि उनकी टिप्पणियों को विश्वगुरु माननीय नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी संज्ञान लें। लेकिन दुर्भाग्य ये है कि माननीय मोदी जी की झोली खाली है इसलिए सैम अंकल की टिप्पणी उन्हें डूबते को तिनके का सहारा बन गयी है। सैम अंकल की टिप्पणी यदि नस्लवादी लगती है तो सभी को उसकी निंदा करना चाहिए और मै तो कहता हूँ की यदि भाजपा तीसरी बार सत्ता में आये तो सैम अंकल को दिया गया पदम् अलंकरण भी वापस ले लेना चाहिए।

सैम अंकल का भारत के तकनीकी विकास में जो योगदान है उसे ठुकराया नहीं जा सकता। उन्हें मुद्दा बनाने की एक मात्र वजह ये है कि वे उस परिवार के नजदीकी हैं जो परिवार पूरी भाजपा को और खासकर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई दामोदर दास यदि को फूटी आँख नहीं सुहाता। मोदी जी सैम के मित्र परिवार को शाही परिवार और उस परिवार के मुखिया को शाहजादा कहते हैं। सैम का मित्र परिवार इन दिनों भूत बनकर सरकार और सरकारी पार्टी के सर पर सवार है। कभी -कभी मुझे इसी वजह से भाजपा के प्रति सहानुभूति भी होती है।

आज की पीढ़ी सैम अंकल के बारे में शायद ज्यादा न जानती हो ,इसलिए बता दूँ कि सैम अंकल कोई एलियन नहीं बल्कि भारतवंशी हैं। मोदी जी की ही तरह गुजराती हैं।सैम पित्रोदा का पूरा नाम सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा है। उनका जन्म ओडिशा के टिटलागढ़ में एक गुजराती बढ़ई परिवार में हुआ था।सैम अंकल भी मोदी जी कि ही तरह गरीब और पिछड़े परिवार से आते हैं मोदी जी और सैम अंकल में फर्क सिर्फ इतना है कि मोदी जी कि शैक्षणिक उपाधियों को लेकर चुनातियाँ दी गयी हैं ,उन पर संदेह जताया गया है जबकि सैम अंकल कि उपाधियों को लेकर कोई विवाद नहीं है। पित्रोदा ने अपनी शुरुआती पढ़ाई गुजरात के वल्लभ विद्यानगर से पूरी की। इसके साथ ही वडोदरा के महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी से फिजिक्स और इलेक्ट्रॉनिक्स में मास्टर किय। इसके बाद वो 1964 अमेरिका चले गए और वहां से उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मास्टर उपाधि हासिल की फिर उन्होंने 1965 से टेलिकॉम इंडस्ट्री में हाथ आजमाया. साल 1981 में पित्रोदा भारत वापस लौट आए।

माननीय मोदी जी मानें या न माने किन्तु पूरी दुनिया और देश मानता है कि भारत आकर पित्रोदा ने देश की टेली कम्युनिकेशन सिस्टम को आधुनिक बनाने के बारे में सोचा और शायद इसीलिए उन्हें भारत में सूचना क्रांति का जनक माना जाता है। भाजपा जब कुल चार साल कि थी तब तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के निमंत्रण पर 1984 में उन्होंने टेलीकॉम के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए सी-डॉट अर्थात 'सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलिमैटिक्स' की स्थापना की थी। पित्रोदा की क्षमता से राजीव गांधी

बेहद प्रभावित हुए. जिसके बाद उन्होंने पित्रोदा को डोमेस्टिक और फॉरेन टेलीकॉम पॉलिसी पर काम करने को कहा.आज की सरकार को शायद पता है या नहीं किन्तु हकीकत ये है कि सैम अंकल ने तत्कालीन प्रधनमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी से प्रौद्योगिकी को डिजिटल बनाने की जरूरत पर बात की। इंदिरा गांधी पित्रोदा से काफी प्रभावित हुईं। अमेरिका की नागरिकता मिलने के बाद भी इंदिरा गांधी के बुलावे पर पित्रोदा भारत आ गए और यहां की नागरिकता ले ली। ये उनका अपना राष्ट्रवाद था। इंदिरा गांधी के निधन के बाद राजीव गांधी ने अपनी सरकार में पित्रोदा को अपना सलाहकार नियुक्त किया. इस सरकार में उन्होंने दूरसंचार, जल, साक्षरता, टीकाकरण, डेयरी उत्पादन और तिलहन से संबंधित छह प्रौद्योगिकी मिशनों का नेतृत्व किया. साल 2005 से 2009 तक सैम पित्रोदा भारतीय ज्ञान आयोग के अलावा वे भारत के दूरसंचार आयोग के संस्थापक और अध्यक्ष भी रहे।

सैम अंकल की टिप्पणियों को चुनावी मुद्दा बनाना भाजपा की विवशता है क्योंकि उसे नहीं पता कि सैम अंकल राजीव गांधी की हत्या के बाद वापस अमेरिका चले गए। 1995 में उन्हें इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन इनिशिएटिव का चेयरमैन बनाया गया। 2004 में जब देश में कांग्रेस की सरकार बनी तो तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन ने सैम पित्रोदा को वापस भारत बुलाकर उन्हें नेशनल नॉलेज कमीशन का अध्यक्ष बनाय। वहीं 2009 में यूपीए सरकार के दौरान पित्रोदा को प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का सलाहकार नियुक्त किया गया ।

मुझे लगता है कि यदि माननीय मोदी जी भी सैम अंकल की प्रतिभा को पहचान लेते तो वे भी उनकी सेवाएं लेने से न हिचकते किन्तु सैम अंकल का गांधी परिवार के निकट होना ही उनकी तमाम उपलब्धियों पर पानी फेरने के लिए काफी साबित हुआ। सैम अंकल का रिश्ता राहुल गांधी से भी बेहद खास रहा। यहां तक कि पित्रोदा को राहुल गांधी का राजनीतिक गुरु भी माना जाता है। यही वजह है कि भाजपा पित्रोदा को राहुल का अंकल कहकर तंज करती है।

लेख तनिक लंबा हो सकता है किन्तु सैम अंकल को समझने के लिए इसे बर्दाश्त करना पडेगा आपको । दरअसल सैम अंकल वैज्ञानिक हैं,लेकिन अंधभक्त नहीं। वे हमेशा खरी-खरी कहते हैं इसलिए भाजपा के मन से उतरे रहते हैं। सैम पित्रोदा ने जून 2023 में कहा था कि मंदिरों से देश की बेरोजगारी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी दिक्कतों का समाधान नहीं होगा, इन मुद्दों पर कोई बात नहीं करता। हर कोई राम और हनुमान मंदिर की बातें करता है। उन्होंने ये कहकर राजनीतिक भूचाल ला दिया था कि मंदिर निर्माण से आपको रोजगार नहीं मिलेगा। हाल ही में सैम अंकल ने 'द स्टेटमेंट' को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में भारत को विविधतापूर्ण देश बताया। उन्होंने कहा, 'जहां पूर्व के लोग चीनी जैसे दिखते हैं। पश्चिम के लोग अरब जैसे। उत्तर के लोग गोरे और दक्षिण के लोग अफ्रीका जैसे दिखते हैं।'

सैम अंकल कभी भारत में लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार करने नहीं आये किन्तु भाजपा को सैम अंकल कांग्रेस के सबसे बड़े नेता दिखाई देते हैं ,इसीलिए भाजपा सैम अंकल के हर बयान को कांग्रेस से जोड़कर न सिर्फ मुद्दा बनाती है बल्कि उनकी हर बात को पूरी गंभीरता से लेती है। आपको याद होगा कि पिछले दिनों सैम अंकल ने कहा था कि अमेरिका में विरासत टैक्स लगता है। यानी किसी शख्स के मरने के बाद उसकी संपत्ति का कुछ हिस्सा उसके रिश्तेदारों को दिया जाता है, जबकि एक बड़ा हिस्सा सरकार अपने पास रख लेती है। सैम पित्रोदा ने इस कानून को एक रोचक कानून बताया था । मोदी जी ने इसे भी चुनावी मुद्दा बना लिया। अब सैम अंकल का ताजा बयान भाजपा के लिए संजीवनी बन गया है। भाजपा सैम अंकल के बहाने पूरी कांग्रेस को नस्लवादी बताने की कोशिश कर रही है लेकिन मुझे लगता है कि इसका कोई लाभ भाजपा को होगा नहीं।

मजे की बात ये है कि सैम अंकल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी भाजपा के काम आये थे । उस समय उन्होंने 1984 के सिख दंगों को लेकर कुछ कह दिया था। इसी साल 2019 में सैम पित्रोदा ने कहा था कि मेडिकल क्लास को स्वार्थी नहीं बनना चाहिए. उनको कांग्रेस की प्रस्तावित न्याय योजना की फंडिंग के लिए ज्यादा से ज्यादा टैक्स देने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा था कि टैक्स का बोझ बढ़ने से मिडिल क्लास को स्वार्थी बनीं बनना चाहिए। उनके इस बयान पर भी भाजपा ने काफी बवाल काटा था।सैम अमरीका में बैठे हैं और कांग्रेस से ज्यादा भाजपा के काम आ रहे है। भाजपा को यदि सैम अंकल के उपकारों से उऋण होना है तो उनकी आलोचना करने के बजाय उन्हें भारतरत्न से सम्मानित करना चाहिए।

- राकेश अचल
achalrakesh1959@gmail.com

कोटक बैंक 400 इंजीनियर हायर करेगा इससे बैंक का आईटी इंफ्रा मजबूत होगा

नई दिल्ली। कोटक महिंद्रा बैंक इस साल करीब 400 इंजीनियर हायर करेगा। हाल ही में आरबीआई ने आईटी इंफ्रा में कमी के कारण बैंक के नए क्रेडिट कार्ड और ऑनलाइन चैनलों से अकाउंट खोलने पर रोक लगाई है। बैंक अब इंजीनियरों को हायर कर अपने आईटी इंफ्रा को मजबूत करना चाहता है। बैंक के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर मिलिंद नागनूर ने बताया कि बैंक पिछले दो साल में 500 से ज्यादा इंजीनियरों को हायर कर चुका है। उन्हें गूगल और अमेजन जैसी कंपनियों के साथ-साथ पेटीएम और फोनपे जैसी कंपनियों से लिया गया है।

नागनूर कोटक की सबसे हाई-

प्रोफाइल टेक हाइरिंग है। उनके साथ कस्टमर एक्सपीरियंस हेड भवनीश लाठिया को भी 2022 में हायर किया था। नागनूर अमेरिका स्थित फिनटेक कंपनी अर्ली वार्निंग सर्विसेज में काम कर चुके हैं। जबकि लाठिया ने लगभग दो दशक अमेजन में बिताए हैं।

पिछले महीने 24 अप्रैल को आरबीआई ने बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट 1949 के सेक्शन 35 की तहत अपनी पावर का इस्तेमाल करते हुए कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ कार्रवाई की थी। आरबीआई की कार्रवाई के बाद बैंक के शेयर में में भारी गिरावट देखने को मिली थी।

24 अप्रैल को कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 1,842.80 रुपए पर था, जो गिरकर 1,543 रुपए तक आ गया था। हालांकि, अब इसमें कुछ रिकवरी दिखी है और ये आज यानी 8 मई को 1648 रुपए पर बंद हुआ। अभी भी कोटक का शेयर 24 अप्रैल के रेट से 11 प्रतिशत नीचे हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व मीडिया प्रभारी गोविंद मालू के निधन पर शोक जताया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी ने खनिज विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष, भाजपा के पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता गोविंद मालू के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है।

भाजपा नेताओं गोविंद मालू के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गोविंद मालू ने कर्मठता से संगठन के विभिन्न दायित्वों को निर्वाहन किया। श्री मालू का असमय निधन भाजपा परिवार के लिए बड़ी क्षति है। भाजपा नेता ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। भाजपा नेताओं ने श्री गोविंद मालू के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा की श्री मालू ने कर्मठता से संगठन के विभिन्न दायित्वों को निभाया। उन्होने कहा की ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और उनके परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि की जिन्होंने जमीन से जुड़कर संगठन के महत्वपूर्ण पद पर रहकर अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए संगठन की विचारधारा को मीडिया के क्षेत्र में कार्य करते हुए जन-जन तक पहुंचा। पार्टी नेताओं ने स्वर्गीय गोविंद मालू जी के परिवार जनों को ढांढस बंधाया। और ईश्वर उनको शांति प्रदान करें। शोक व्यक्त करने वालों में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद श्रीमती संध्या राय प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया, विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह, विधायक अमरीश शर्मा गुड्डू मध्य प्रदेश सरकार में पूर्व सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया, मध्य प्रदेश सरकार में पूर्व नगरीय प्रशासन आवास राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया, पाठ पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र बरुआ, पूर्व विधायक शिव शंकर समाधिया पूर्व विधायक रणवीर जाटव पूर्व विधायक श्री राम जाटव, पूर्व जिला अध्यक्षों में केशव सिंह भदौरिया, अवधेश सिंह कुशवाह वीरेंद्र सिंह राणा, संजीव कांकर,नाथू सिंह गुर्जर, राजेंद्र शर्मा राजे, रवि सेन जैन, पार्टी के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य डॉ रमेश दुबे रोमेश महंत, अशोक चौधरी, प्रमुख है।

अनुपमा और आकाश: एमेजॉन में सफलता की ओर बढ़ रही माँ-बेटे की जोड़ी

मदर्स डे माँओं और उनको सम्मानित करने के लिए एक विशेष अवसर है, जो अपने बच्चों के पालन-पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आज की व्यस्त दुनिया में ऐसी कई माँएं हैं, जो घर की जिम्मेदारियों और करियर के बीच बेहतरीन संतुलन बना रही हैं। वे अपने परिवारों की देखभाल करने के साथ ही काम में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं। इन प्रेरणाप्रद माँओं में से एक हैं एम आर अनुपमा, जो 'उदाहरण द्वारा नेतृत्व' करने की कहानी लिख रही हैं। उनका अपने बेटे के साथ एक अद्वितीय संबंध है, जो स्वयं भी एमेजॉन में काम कर रहा है।

बैंगलोर से आई अनुपमा ने 2013 में एमेजॉन के साथ एग्जिक्यूटिव असिस्टेंट के रूप में अपना सफर शुरू किया। 2023 में उनके दायित्व को बढ़ाकर उन्हें एम्प्लॉयी एक्सपीरियंस के लिए प्रोग्राम मैनेजर का पद सौंप दिया गया। उन्हें दो दशकों से ज्यादा समय का प्रशासनिक अनुभव है। इसलिए इस मौजूदा भूमिका में संस्थान को उनके ज्ञान और विशेषज्ञता का बहुत लाभ मिला। एमेजॉन में अपने कार्यकाल में उन्होंने लगातार विकास किया और उन्हें सीखने के कई अवसर मिले। उनके लिए हर दिन 'पहले दिन' जैसा होता है, जो इनोवेशन और रि-इन्वेंशन की एमेजॉन की संस्कृति का प्रमाण है।

एमेजॉन में उनका अनुभव अपने बेटे, आकाश की मौजूदगी के कारण अद्वितीय है, जो तीन साल पहले 2021 में कंपनी में एप्लीकेशन इंजीनियर के रूप में शामिल हुआ। वे साथ मिलकर एक ही कंपनी के लिए काम करते हैं, और उन्हें संपर्क करने तथा सहयोग करने के अवसर मिलते हैं, जो बहुत खास है। आकाश और अनुपमा, दोनों के लिए एक दूसरे की सफलता और सम्मान को साझा करना गर्व और खुशी का स्रोत होता है।

अपने अनुभव साझा करते हुए, अनुपमा ने कहा, ''मेरा बेटा जिस संगठन में काम करता है, उसी में काम करना मेरे लिए एक अद्वितीय अवसर है, जो हमें सामान्य अनुभव साझा करने, एक-दूसरे के विकास में सहयोग देने और साझा उपलब्धियों द्वारा हमारे संबंध को मजबूत बनाने में मदद करता है।''

इस सफर में, जिसमें माँ और बेटा मिलकर काम करते हैं, यह भी आवश्यक है कि परिवार और काम के लिए समय का इस तरह से प्रबंधन हो, जो स्पष्ट सीमाएँ बनाए रखने में मदद करे। अनुपमा के लिए समय का प्रभावी प्रबंधन आवश्यक है।

अनुपमा ने कहा, 'टास्क को प्राथमिकता देकर, आसान लक्ष्य स्थापित करके और काम एवं परिवार के दायित्वों में समर्पित टाईम स्लॉट निर्धारित करके मुझे काम और पारिवारिक जीवन के बीच स्पष्ट सीमाएँ बनाए रखने में मदद मिलती है, जिससे मैं अपने परिवार के साथ क्वालिटी समय बिता पाती हूँ।'

'संतुलन का उनका स्थिर दृष्टिकोण न केवल उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि उनके बेटे के लिए भी व्यक्तिगत और प्रोफेशनल जीवन में मार्गदर्शक का काम करता है। वे उदाहरण द्वारा नेतृत्व करती हैं और विपरीत परिस्थितियों में आत्मविश्वास, विनम्रता, दृढ़ता और संयम के मूल्यों को स्थापित करती हैं।'

एक ही कंपनी में अपनी माँ के साथ काम करने के बारे में आकाश ने कहा, 'इससे कार्यस्थल पर आराम और पारिवारिकता की भावना मिलती है, जिससे पूरा अनुभव ज्यादा आनंददायक और संतोषजनक बन जाता है। एमेजॉन में आने के लिए मेरी माँ ने मुझे प्रेरणा दी।'

इस साल मदर्स डे के अवसर पर ये दोनों एक ही संदेश दे रहे हैं कि खुद की देखभाल को प्राथमिकता देकर काम और परिवार के लिए समय का प्रभावशाली प्रबंधन करें। एमेज़ॉन में हर तरह के लोगों के लिए हर तरह की नौकरियाँ हैं और एमेज़ॉन को विभिन्न बैकग्राउंड एवं अनुभवों वाले लोगों की भर्ती करने पर गर्व है। यह नेतृत्व एवं विचारों की विविधता का सम्मान करता है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा ग्राहक केंद्रित कंपनी का निर्माण करने के इसके मिशन का मुख्य हिस्सा है। यहाँ हजारों कर्मचारी रिटेल, कस्टमर फुलफिलमेंट, ट्रांसपोर्टेशन, एमेज़ॉन पे, कस्टमर सपोर्ट, ह्यूमन रिसोर्स और मशीन लर्निंग आदि विभिन्न व्यवसायों में काम कर रहे हैं।

देखिए हौंसले और इंसाफ की एक मनोरंजक कहानी 'सिया', सिर्फ एंड एक्सप्लोर एचडी पर

एंड एक्सप्लोर एचडी हर फिल्म प्रेमी के मनोरंजन की चाहत को पूरा करता है, जो कि अनरूटीन, अनएक्सपेक्टेड और अनफॉर्मूला का शानदार मिश्रण है। इस चैनल के पास एक से बढ़कर एक शोज का एक विशाल भंडार है, जो स्टोरीटेलिंग का वह पहलू दिखाता है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। एंड एक्सप्लोर एचडी एक बेमिसाल अनुभव का वादा करता है, जो दर्शकों के लिए सिनेमा को अनबॉक्स करेगा।

यह चैनल अब अभूतपूर्व फिल्म 'सिया' का एक्सक्लूसिव प्रीमियर करने के लिए तैयार है, जो सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि इंसाफ को बहाल करने की एक मुहिम है।

एक छोटे से भारतीय शहर की पृष्ठभूमि पर आधारित, सिया सशक्तिकरण और बगावत की एक मनोरंजक कहानी है, जो आपके दिलों को झकझोर कर रख देगी और आपको अटूट इंसानी जज़्बातों से जोड़ देगी।

सिया एक 17 वर्षीय लड़की की कहानी है, जो एक बेहद भयानक स्थिति का सामना करने के बावजूद हार नहीं मानती। ताकतवर अपराधियों के एक बेरहम हमले से बचने के बाद, सिया दोबारा उठ खड़ी होती है और उस अन्याय के खिलाफ लड़ने का संकल्प लेती है, जो उसे खत्म करने की धमकी देता है।

पूजा पांडे कहती हैं, 'एक फिल्म के रूप में 'सिया' दर्शकों को वास्तविक दुनिया के मुद्दों से रूबरू कराती है और हमारे समाज में मौजूद अन्याय को प्रतिबिंबित करने का मौका देती है। एक वास्तविक कहानी के साथ यह फिल्म कुछ कड़वी सच्चाइयों से दर्शकों का सामना कराती है और उन्हें बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करती है। मैं इस बात के लिए खुद को खुशनसीब मानती हूँ कि सिया मेरी पहली फिल्म है। इसने मुझे असल जिंदगी की ऐसी ही स्थितियों से निपटने या ऐसी परिस्थितियों से गुज़र रहे किसी व्यक्ति के साथ खड़े होने की अपार आंतरिक शक्ति दी है, जो मेरे मायने में हमारे देश की हर महिला के लिए ज़रूरी है।'

निर्देशक मनीष मुंद्रा ने कहा, 'जहाँ 'सिया' टेलीविज़न स्क्रीन पर अपनी जगह बना रही है, वहीं हमें कई लोगों के साथ हुई नाइंसाफी के खिलाफ स्थायी लड़ाई की याद आती है। यह फिल्म एक कहानी से कहीं ज्यादा है; यह हर जगह जीवित बचे लोगों के हौंसले और बहादुरी का प्रमाण है। मैंने साहस और सार्थक चर्चा को बढ़ावा देने के लिए 'सिया' बनाई। इस खास कहानी को देश भर के दर्शकों के सामने लाने के लिए मैं अपने कलाकारों, क्रू और ज़ी की टीम का बहुत आभारी हूँ। मुझे उम्मीद है कि सिया का सफर हर दर्शक को सशक्त और प्रबुद्ध बनाता रहेगा।'

सिया सिनेमाई परिदृश्य में आशा की किरण जगाती है, जो दर्शकों को मनोरंजन से परे एक आकर्षक कहानी दिखाती है। अपनी दमदार कहानी और असरदार विषय के साथ यह फिल्म एक चर्चा छेड़ती है, सहानुभूति जगाती है और हमारे समाज में मौजूद अन्याय को मिटाने के लिए सामूहिक संकल्प को बढ़ावा देती है। एंड एक्सप्लोर एचडी पर अपने वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर के साथ, सिया दिलों को लुभाने, दिमागों को प्रेरित करने और दुनिया भर के दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ने का वादा करती है।

फिल्म 'सिया' में आप भी देखने के लिए तैयार हो जाइए हिम्मत और हौंसले का एक शानदार सफर, शनिवार 11 मई को रात 10 बजे, सिर्फ एंड एक्सप्लोर एचडी पर।

सूर्या शर्मा ने मनाली में आई तेज बाढ़ के बाद 'अनदेखी सीजन 3' की शूटिंग करने का अनुभव बताया

भोपाल। 'अनदेखी' का एक और दिलचस्प सीजन देखने के लिये तैयार हो जाइये। एक्टर सूर्या शर्मा हमारे चहेते रिंकू अटवाल का किरदार जारी रखेंगे। आने वाला सीजन मनाली के सुंदर, लेकिन दुर्गम क्षेत्र की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह सीजन दर्शकों को अपनी दमदार कहानी और रोचक अभिनय से रोमांचित करेगा। हालांकि पर्दे के पीछे प्रोडक्शन को अजीब चुनौतियाँ भी मिलीं, खासकर 2023 में आई बाढ़ के बाद।

इसके बावजूद शर्मा मजबूती से टिके रहे और अब वह सीरीज की शूटिंग के दौरान आई अड़चनों के बारे में बता रहे हैं। प्राकृतिक समस्याओं से जूझने और लॉजिस्टिक की मुश्किलों से उभरने तक 'अनदेखी' की नई शूटिंग का सफर आसान नहीं, लेकिन एडवेंचर से भरा था। फिर भी, यह चुनौतियाँ ही कलाकारों और उनके साथियों का समर्पण और लगन दिखाती हैं।

शूटिंग के दौरान मिली चुनौतियों पर बात करते हुए, शर्मा ने कहा, ''मनाली में शूटिंग करने की अपनी चुनौतियाँ होती हैं, क्योंकि वह दुर्गम जगह है। लेकिन 2023 में आई बाढ़ के बाद मनाली में शूटिंग करना एक नई मुश्किल थी। अब इसका दूसरा पहलू यह था कि मैं उस टीम और यूनिट का हिस्सा था, जो ऐसी स्थितियों में भी हर संभव कोशिश कर रही थी। इसका मतलब यह नहीं था कि हम सिर्फ शूटिंग ही करते रहें। हमें उसे सार्थक बनाना था और अपने हर काम से हर दिन को सफल बनाना था। अगर वहाँ की स्थिति के बारे में बात करूं, तो वह अपने-आप में एक फिल्म जैसी थी और सच्चाई सीधे हमारे सामने आकर खड़ी हो जाती थी। लेकिन क्या आप जानते हैं? हम एकजुट हो गये, हमने स्थिति के अनुकूल बनने के लिये तरीके खोजे और आखिरकार हम कामयाब हुए। यह पर्दे पर और उसके पीछे भी मजबूत बने रहने की कहानी है। ऐसे पल ही आपको याद दिलाते हैं कि जिन्दगी का कोई भरोसा नहीं है और चाहे कुछ भी हो, आगे बढ़ते रहना चाहिये।''

'अनदेखी 3' देखिए, 10 मई से सिर्फ सोनी लिव पर!

अत्याचार का नाश करने हुआ परशुराम अवतार! परशुराम को लेकर फैलाया गया भ्रम निराधार!!

अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती पर विशेष

जब जब धरती पर अधर्म, अहंकार, अनाचार और अत्याचार की वृद्धि हुई तो जगत के पालनहार भगवान विष्णु ने विविध रूपों में अवतार लिया। उन्होंने हर अवतार में अधर्मी, अहंकारी, अनाचारी और अत्याचारी का नाश किया। भगवान विष्णु दस बार अवतार लेकर अपने विविध रूपों से धरती को अवगत करा गये। इसी कड़ी में भगवान विष्णु अपने छठे अवतार में भगवान परशुराम के रूप में मानव अवतार में अवतरित हुए। अन्य अवतारों में भगवान ने सीमित कार्य और उद्देश्य की पूर्ति कर पुनः अपने धाम को वापस चले गए। लेकिन, परशुराम भगवान विष्णु के एकमात्र ऐसे अवतार हैं, जो अपने बाद वाले के साथ भी सह-अस्तित्व में रहे। प्रभु श्री राम को परशुराम ने अपने जीवन के उद्देश्य को पूरा करने के पश्चात अपने दादा को भगवान विष्णुं से प्राप्त धनुष 'शारंग' भगवान श्री राम को दिया। महाभारत काल में उन्होंने श्री कृष्ण को सुदर्शन चक्र देकर अपना प्रमाण दिया। शास्त्रों के अनुसार तो वे आज तक विद्यमान ही हैं। यह भी माना जाता है कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु के दसवें अवतार, यानी कल्कि की मदद करने के लिए मौजूद हैं, जैसा कि कल्कि पुराण में कहा गया है। परशुराम की सिर्फ एक ही कहानी नहीं है, बल्कि पूरे भारत में एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में कई अलग-अलग कथाएं प्रचलित हैं।

मान्यताओं के अनुसार सात चिरंजीवियों का जन्म इस भारत भूमि पर हुआ है। उसमें भगवान परशुराम भी शामिल हैं। भगवान परशुराम जिन सात चिरंजीवी (अमर प्राणियों) में से एक हैं, उसमें हनुमान, कृपाचार्य, बलि, अश्वत्थामा, विभीषण और व्यास शामिल हैं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु ने इस पृथ्वी पर अहंकार और अत्याचार को नष्ट करने के लिए परशुराम के रूप में मानव अवतार लिया था। उनका जन्म ऋषि जमदग्नि और उनकी पत्नी रेणुका के यहाँ पुत्रेष्टि यज्ञ करने के बाद हुआ था। ब्राह्मण होते हुए भी उनमें क्षत्रिय के गुण थे। वैसे कहा जाता है कि उनके पिता के में भी क्षत्रिय के गुण थे। भगवान परशुराम धर्म, धैर्य, बुद्धि, विवेक, शास्त्र और सदाचार के साथ साहस, शौर्य, शक्ति, आक्रामकता और युद्ध कला सहित विभिन्न गुणों से संपन्न थे। परशुराम दो शब्दों का मिलन है परशु और राम। जिसमे परशु शब्द का अर्थ कुल्हाड़ी होता है, इसलिए परशुराम नाम का अर्थ है 'कुल्हाड़ी वाला राम'।

परशुराम के बारे में कई किंवदंतियां प्रचलित हैं और वे रामायण और महाभारत के दौरान भी मौजूद थे। भगवान परशुराम तप और बल में अग्रणी होने के साथ ही न्याय के प्रबल पक्षधर तथा अहंकार और अत्याचार के विरोधी थे। भगवान परशुराम कई नामों से भी जाने जाते हैं, जैसे रामभद्र, भार्गव, भृगुपति, भृगुवंशी, जमदग्न्य, रेनुकेय, चिरंजीवी समेत कई नामों से उन्हें संबोधित किया जाता जाता है।

शास्त्रों के अनुसार परशुराम जी के गुरु स्वयं भगवान शिव थे। उन्होंने भगवान शिव से शास्त्रों और युद्ध की कलाओं को सीखा। फिर उन्होंने भगवान शिव के निर्देश पर भगवान शिव और अन्य देवताओं से आकाशीय हथियार प्राप्त किए। शिव ने अपने युद्ध कौशल का परीक्षण करने के लिए परशुराम को युद्ध के लिए बुलाया। गुरु और पालकी के बीच इक्कीस दिनों तक भयंकर युद्ध चला। परशुराम के युद्ध कौशल को देखकर भगवान शिव प्रसन्न हुए। परशुराम भगवान शिव के बहुत बड़े भक्त थे, इसलिए उन्हें प्रसन्न करने के बाद उन्हें स्वयं भगवान शिव से कुल्हाड़ी मिली थी।

उनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण अहंकारी राजा सहस्त्रार्जुन का वध करना था। सहस्त्रार्जुन को अपनी शक्ति का बहुत घमंड था और इस घमंड के कारण ऋषि-मुनियों पर अत्याचार करना शुरू कर दिया था। एक बार सहस्त्रार्जुन के मन में भगवान परशुराम के पिता महर्षि जमदग्नि के आश्रम में मौजूद कामधेनु गाय को पाने का लोभ हो गया। अपने इस लोभ के कारण उसने महर्षि से कामधेनु गाय को बलपूर्वक छीन लिया और विरोध करने पर उनकी हत्या भी कर दी। पति की हत्या हो जाने के बाद परशुराम माँ रेणुका भी वियोग में चिता पर सती हो गयीं। इस घटना से क्रोध में आकर भगवान परशुराम ने सहस्त्रार्जुन का वध कर डाला। इसी घटना के आधार पर भगवान परशुराम के संबंध में एक गलत बात फैलाई गई कि वे एक वर्ग विशेष के विरोधी थे, जो सत्य से परे हैं। उन्होंने सिर्फ अधर्मी, अनाचारी, अत्याचारी और अहंकारी लोगों का नाश किया।

भगवान परशुराम एक ओर जहां भगवान विष्णु के अवतार के रूप में अहंकारी और अत्याचारी का नाश किया, वहीं भगवान शिव के प्रिय के रूप में कल्याण, न्याय और नीति को स्थापित किया। उन्होंने धर्म की स्थापना और जीव कल्याण की प्रेरणा दी। उन्होंने पृथ्वी पर हिन्दू वैदिक संस्कृति का प्रचार-प्रसार करते हुए उसे स्थापित किया। मान्यता यह भी है कि भारत में मौजूद अधिकतर ग्राम भगवान परशुराम द्वारा ही बसाये गए हैं। संपूर्ण पृथ्वी जीतकर भी भगवान परशुराम स्वयं पहाड़ों को अपना आश्रय स्थल बना लिया और पूरी धरती दान में दे दी। भगवान परशुराम का उल्लेख रामायण, महाभारत, भागवत पुराण और कल्कि पुराण तक में मिलता है।

आज भगवान परशुराम की जयंती के दिन हमें भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेकर अधर्म और अनैतिक कार्यों से बचने का संकल्प लेना चाहिए ।

परशुं दक्षिणे हस्ते वामे च दधतं धनुः।
रम्यं भृगुकुलोत्तंसं घनश्यामं मनोहरम्॥

डॉ. राकेश मिश्र
(अध्यक्ष, पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास)

मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' के कॉमेडियन्स ने सुपरस्टार सिंगर 3 किड्स के साथ मिलकर म्यूज़िकल कॉमेडी की

सुर, ताल और कॉमेडी! सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का कॉमेडी शो 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' शो में मनोरंजन का डोज़ बढ़ाने के लिए सुपरस्टार सिंगर 3 के प्रतिभाशाली प्रतियोगियों - पीहू शर्मा, अविर्भव एस और क्षितिज सक्सेना का स्वागत करेगा।

मेज़बान हर्ष गुजराल सुपरस्टार सिंगर के बच्चों की उल्लेखनीय प्रतिभाओं से अपने बचपन की तुलना करते हुए गुदगुदाने वाला स्टैंड-अप रूटीन प्रस्तुत करेंगे। पीहू शर्मा, अविर्भव एस, और क्षितिज सक्सेना इंदर साहनी, गौरव मोरे, गौरव दुबे और कावेरी प्रियम के साथ मिलकर बेहद मज़ेदार एक्ट पेश करेंगे, जिसमें इंदर एक बेसुरे प्रिंसिपल की भूमिका निभाएंगे, जो पूरे उत्साह के साथ सुपरस्टार सिंगर के बच्चों को अपने संगीत विद्यालय में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेंगे।

गौरव दुबे इस अकादमी के सम्मानित गुरु की भूमिका में हैं। इस बीच, कावेरी प्रियम एक चिंतित मां की भूमिका में हैं। वे बच्चे को दाखिला दिलाने की उम्मीद से अकादमी पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें पता चलता है कि बच्चा को सुर पहचानने में दिक्कत होती है! हास्यपूर्ण संगीत गड़बड़ियों के बावजूद, बच्चा संगीत विद्यालय में दाखिला पाने की कोशिश करता है।

अपने आगामी गैग के बारे में बात करते हुए, कॉमेडियन गौरव दुबे कहते हैं, 'सुपरस्टार सिंगर के प्रतिभाशाली बच्चों के साथ काम करना बहुत ज्यादा आनंददायक रहा है। उनकी बेहतरीन प्रतिभा और उत्साह वाकई प्रेरणादायक है, और उनसे हमारे परफॉर्मेंस को बिल्कुल नए स्तर की ऊर्जा मिली है। मैं दर्शकों को इस परफॉर्मेंस को दिखाने की प्रतीक्षा नहीं कर सकता क्योंकि इसे बनाने में हमें बहुत मज़ा आया।'

'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' देखना न भूलें, इस रविवार रात 9:30 बजे, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर!

सोनी बीबीसी अर्थ के हैंस जिमर स्पेशल और अन्य शो के साथ मई के महीने में करें सिनेमा जगत की सैर

नई दिल्ली। इस बार मई महीने में सोनी बीबीसी अर्थ द्वारा कंटेंट की एक रोमांचकारी श्रृंखला प्रस्तुत की जा रही है। इन कार्यक्रमों के साथ गर्मी का यह महीना इस चैनल पर रहस्य, साहसिक कारनामों और ज्ञान भरपूर होने वाला है। चैनल युद्धोत्तर विलक्षण व्यक्ति से लेकर एक हॉलीवुड लीजेंड बनने तक 'हैंस जिमर = अ हॉलीवुड रेबेल' के शानदार सफर, 'सीक्रेट्स ऑफ द सुपररेजर्स' में बुढ़ापे को चुनौती देने के रहस्यों के साथ-साथ 'जोअन्नाज एंथोलॉजी सीरीज' में हमारे ग्रह के आश्चर्यों और मानवीय पलटाव की आकर्षक कहानियों के प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार है।

'सीक्रेट्स ऑफ द सुपरएजर्स' के द्वारा उम्र बढ़ने के रहस्यों से पर्दा हटाते हुए, माइकल मोजली बुढ़ापे को मात देने वाले लोगों के रहस्यों की खोज करते हैं। इस खोज में वे चीन से लेकर इटली तक के उन असाधारण लोगों से मिलते हैं जिन्होंने अपने जीवन के स्वर्णिम वर्षों में शानदार जीवन शक्ति का प्रदर्शन किया है। यह शो जीवन, विविध आहारों और उनकी लम्बी आयु में योगदान करने वाले सांस्कृतिक व्यवहारों और खूबसूरती के साथ वृद्ध होने के विज्ञान पर विशिष्ट दृष्टिकोण की पड़ताल करता है। हर शनिवार एवं रविवार को सुबह 09:00 बजे प्रसारित होने वाले इस शो का प्रीमियर 18 मई को होगा।

विविधतापूर्ण कंटेंट की श्रृंखला में दर्शक 'हैंस जिमरः अ हॉलीवुड रेबेल' में सिनेमा के उस्ताद, हैंस जीमर के शानदार जीवन और बेमिसाल कॅरियर के बारे में जानेंगे। इस शो में युद्धोत्तर विलक्षण जर्मन व्यक्ति की जीवन-यात्रा पर रोशनी डाली गई है, जिन्होंने फिल्म स्कोरिंग के लिए हॉलीवुड में प्रसिद्धि हासिल की। दर्शकों को 'फ्रोजन प्लेनेट II' के लिए प्रतिष्ठित स्कोर बनाने का पथ-प्रदर्शक संयोजन और रचनात्मक प्रक्रिया देखने का अवसर मिलेगा। इस शो में जिमर समकालीन सिनेमा को पहचान देने वाली सम्मोहक धुनों की गहराई में उतरते हैं। शो का प्रीमियर 19 मई को दोपहर 12:00 बजे और रात 9:00 बजे होगा।

जिमर की लिगेसी की पथ-प्रदर्शक कहानी के बाद इस श्रृंखला में अगला शो है, 'जोअन्नाज एंथोलॉजी सीरीज'। इस संकलन में दर्शकों को सम्मोहक कहानियों की एक श्रृंखला देखने का अवसर मिलेगा। इसकी प्रत्येक कहानी अमेज़न के वर्षावन की गहराई से लेकर हिमालय की चोटियों तक, हमारी पृथ्वी के चमत्कारों से पर्दा हटाती है। इसमें 'जोअन्ना लुम्लेज स्पाइस ट्रेल ऐडवेंचर, ग्रेट सिटीज ऑफ द वर्ल्ड, सिल्क रोड, और इंडिया सहित विभिन्न एपिसोड दिखाए जायेंगे। इस सीरीज का प्रसारण इस चैनल पर 20 मई को रात के 10:00 बजे से होगा।

इस मई में 'सीक्रेट्स ऑफ द सुपरएजर्स', 'हैंस जिमरः अ हॉलीवुड रेबेल', और 'जोअन्नाज एंथोलॉजी सीरीज' देखने के लिए अपने कैलेंडर पर तारीखें नोट कर लें - प्रसारण केवल सोनी बीबीसी अर्थ पर।

मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र में बाल विवाह करने पर होगी सजा और जुर्माना

58.96 प्रतिशत मतदान

20 लाख 6 हजार 730 मतदाताओं में से 11 लाख 83 हजार 282 मतदाताओं ने किया अपने मताधिकार का उपयोग

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र में सांसद चुनने के लिए मंगलवार 07 मई को हुए मतदान में कुल 20 लाख 6 हजार 730 मतदाताओं में से 11 लाख 83 हजार 282 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इस प्रकार मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र में 58.96 प्रतिशत मतदाताओं ने ई.वी.एम. मशीन में बटन दबाकर अपनी पंसद के लोकसभा सदस्य चुनने के लिए मत दिए।

मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत श्योपुर जिले की विधानसभा क्षेत्र श्योपुर में 69.57 प्रतिशत और मुरैना जिले की अम्बाह विधानसभा क्षेत्र में 53.71 प्रतिशत सबसे कम मतदान हुआ है।

ज्ञात हो मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र में विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में 69.24, सबलगढ़ में 58.14, जौरा में 55.65, सुमावली में 54.04, मुरैना में 55.87, दिमनी में 54.84 प्रतिशत मतदान हुआ है।

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। बाल विवाह सामाजिक कुरीति के साथ कानूनी रूप से अपराध है। विवाह के लिए कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक तथा वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होना आवश्यक है। इस निर्धारित आयु से कम आयु के कन्या तथा वर का विवाह कानूनन अपराध है। इस तरह का बाल विवाह करने वाले और उसे संपन्न कराने वाले को दो वर्ष तक की सजा तथा एक लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है। यह आदेश कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी अंकित अस्थाना ने 10 मई अक्षय तृतीया को ध्यान में रखते हुये जारी किये है।

जिला महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी ने बताया कि सभी माता-पिता अपने बेटे और बेटी का विवाह उचित आयु में करें। कम आयु में बेटी शारीरिक और मानसिक रूप से विवाह के योग्य नहीं होती है। बाल विवाह गंभीर सामाजिक कुरीति है। इसे रोकने के लिए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 लागू किया गया है। इसके तहत बाल विवाह से पीड़ितों को सुरक्षा और राहत प्रदान करने के साथ-साथ बाल विवाह को प्रोत्साहित करने एवं उसे संपन्न कराने वालों पर कठोर दण्ड का प्रावधान है। जिसमें दो वर्ष की जेल तथा एक लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने आमजनता से अपील करते हुए कहा है कि समाज में अब बाल विवाह की घटनाएं लगभग न के बराबर होती हैं। लेकिन यदि कहीं पर भी बाल विवाह संपन्न कराने का प्रयास किया जा रहा है तो आमजन तत्काल महिला एवं बाल विकास विभाग अथवा पुलिस थाने को इसकी सूचना दें। विवाह संपन्न कराने वाले धर्मगुरू तथा विवाह से संबंधित व्यवस्थाओं जैसे बारातघर, हलवाई, विवाह घर संचालक, बैण्डबाजे वाले आदि बाल विवाह होने पर तत्काल सूचना दें। बाल विवाह को रोकने के लिए जिले भर में एसडीएम की अध्यक्षता में उड़नदस्ते गठित किए गए हैं। बाल विवाह को रोकने के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया गया है। बाल विवाह की शिकायत चाइल्ड लाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर भी की जा सकती है।

इसी क्रम में एक विशेष अपील विवाह कराने वाले धर्मगुरूओं विवाह में सेवा देने वाले सेवाप्रदाताओं तथा मुद्रको (विवाह पत्रिका छापने वाली प्रिंटिंग प्रेस आदि) से की जाती है कि वे विवाह के पूर्ववर एवं वधु दोनों की सही आयु की संतुष्टि के लिये उनके मूल जन्म प्रमाण पत्र, अंकसूची, स्कूल की टी.सी. आदि की सत्यापित छायाप्रति प्राप्त कर अपने पास अनिवार्य रूप से संग्रहित करें। उम्र सही होने की दशा में ही विवाह की पत्रिका छापें एवं सेवायें देना सुनिश्चित करें। ऐसे प्रकरणों की सूचना तत्काल जिला एवं ब्लॉक स्तर पर संचालित महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय को दें, सूचनाकर्ता की जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जायेगी।

बाल विवाह रोकने के लिये समिति गठित

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बाल विवाह रोकने के लिये समिति गठित की है। समिति में अध्यक्ष संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रहेंगे। सदस्य के रूप में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, परियोजना अधिकारी बाल विकास, जनपद सीइओ, तहसीलदार, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी और संबंधित थाना प्रभारी रहेंगे।

राष्ट्रप्रेम, पराक्रम, आत्मगौरव और स्वाधीनता के लिए समर्पित रहा महाराणा प्रताप पूरा जीवन

मप्र शिक्षक संघ ने मनाई वीर योद्धा महाराणा प्रताप की 484वीं जयंती

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप अदम्य साहस और वीरता के प्रतीक थे। उन्होंने मुगल साम्राज्य के विस्तार वाद के खिलाफ सैन्य प्रतिरोध और हल्दी घाटी, देवर की लड़ाई बहुत ही बहादुरी से लड़ी, यह वह दौर था जब दूसरे शासकों ने अकबर की अधीनता को स्वीकार कर लिया था। लेकिन महाराणा प्रताप ने मुगलों को बुरी तरह पछाड़ा। प्रताप के जीवन मूल्यों एवं लक्ष्यों में राष्ट्रप्रेम, पराक्रम, आत्मगौरव, स्वतंत्रता सबसे प्रमुख तत्व थे। यह बात मप्र शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार ने कही।

संभागीय अध्यक्ष डॉ. सिकरवार पुरानी हाउसिंग बोर्ड स्थित मप्र शिक्षक संघ के कार्यालय पर महाराणा प्रताप की 484वीं जयंती कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अकबर ने प्रताप को अपने अधीन करने के लिए कई समझौते प्रस्ताव भेजे थे। लेकिन प्रताप अपनी आन-बान, शान, मर्यादा, राजधर्म, क्षत्रिय धर्म की रक्षा के लिए मर-मिटने को अडिग थे। इसी दृष्टि से इतिहास में महाराणा प्रताप जैसा महान व्यक्तित्व कोई और देखने को नही मिलता हैं।

हल्दीघाटी व दिवेर के युद्ध में मुगल साम्राज्य की नींव हिला दी

डॉ. सिकरवार ने कहा कि 1576 ईसवीं के हल्दीघाटी युद्ध में 20,000 राजपूतों को साथ लेकर राणा प्रताप ने अकबर की सेना का नेतृत्व कर रहे सरदार राजा मानसिंह के 80,000 की सेना का सामना किया। इस युद्ध में मेवाड़ की सेना का नेतृत्व महाराणा प्रताप ने किया था। जिसमें अकबर की सेना को भारी नुकसान पहुंचा था। 1582 में मुगल सेना और महाराणा प्रताप के बीच दिवेर का युद्ध हुआ। महाराणा ने अपने भाले से हाथी पर निशाना साधते हुए सेना के कमांडर को एक वार में ही घोड़े सहित मार गिराया। मुगल कमांडर की मौत के बाद मुगल सेना भाग खड़ी हुई और इस युद्ध में महाराणा प्रताप की निर्णायक जीत हुई। इसके बाद, महाराणा ने एक साथ मुगलों की 36 छावनियों को नष्ट कर दिया और जल्द ही उन्होंने कुंभलगढ़, गोगुंदा और उदयपुर पर वापस अपना अधिकार स्थापित कर लिया।

इस मौके पर प्रमुख रूप से विमलेश यादव, सतंजय मिश्रा रघुराज परमार, जगदीश शर्मा, रामावतार सिंह चंबल, डॉ. हरेंद्र तोमर, रामबरन सिंह पायथा, सतंजय मिश्रा, जगमोहन सेमिल, कप्तान सिंह, कुलदीप कुलश्रेष्ठ, रामबरन शर्मा, गिरीश शर्मा, विनोद सिकरवार, मंगल सिंह मौर्य आदि शामिल रहे।

लू के लक्षण, बचाव व रोकथाम के लिये आमजन से अपील

लू से बचें, लू के लक्षण, क्या करें, क्या न करें

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र सिंह तोमर ने बताया है, कि ग्रीष्म ऋतु में तेज गर्मी पड़ने से गर्म हवा चलने लगती है, जिसका मानव स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पडता है एवं अन्य बीमारियों से पीड़ित होने की संभावना अधिक होने लगती हैं। सामान्य भाषा में इसे 'लू' कहते हैं।

लू के लक्षण:- सिरदर्द, बुखार, उल्टी, अत्याधिक पसीना एवं बेहोशी आना, कमजोरी महसूस होना, शरी में ऐंठन, नब्ज असामान्य होना इत्यादि। 'लू' के लक्षण होते व्यक्ति को छायादार जगह पर लिटायें, व्यक्ति के कपड़े ढ़ीले करें, उसे पेय पदार्थ कच्चे आम का पना आदि पिलायें, तापमान घटाने के लिये ठंडे पानी की पट्टियां रखें, प्रभावित व्यक्ति को तत्काल स्वास्थ्य केन्द्र में लें जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें।

क्या करे:- घर से बाहर निकलने के पहले भरपेट पानी अवश्य पियें। सूती, ढीले एवं आरामदायक कपड़े पहनें, धूप में निकलते समय अपना सिर ढंककर रखें, टोपी, कपड़ा, छतरी का उपयोग करें। पानी, छाछ, ओ.आर.एस का घोल या घर में बनें पेय पदार्थ जैसे-लस्सी, नीबू पानी, आम का पना, इत्यादि का सेवन करें। भरपेट ताजा भोजन करके ही घर से निकलें, धूप में अधिक न निकलें।

क्या न करें:- धूप में खाली पेट न निकलें, पानी हमेशा साथ में रखें, शरीर में पानी की कमी न होने दें। मिर्च मसाले युक्त एवं बासी भोजन न करें। बुखार आने पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें, कूलर या एयर कंडीशन से धूप में एकदम न निकलें।

सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र सिंह तोमर ने आमजन से अपील की हैं कि अधिक तापमान होने के कारण विशेष कर शिशुओं तथा बच्चों, 65 वर्ष से अधिक आयु के महिला-पुरूष, मानसिक रोगियों तथा रक्तचाप वाले मरीजों का विशेष ध्यान रखें, घर से बाहर निकलने के पहले भरपेट पानी अवश्य पिये, सूती, ढीले एवं आरामदायक कपड़े पहनें, धूप में निकलते समय अपना सिर ढंककर रखें, टोपी कपड़ा, छतरी का उपयोग करें, भरपेट ताजा भोजन करके ही घर से निकलें, धूप में अधिक न निकल, पानी हमेशा साथ में रखें, शरीर में पानी की कमी न होने दें, बुखार आने पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें, कूलर या एयर कंडीशन से धूप में एकदम न निकलें।

मरीजों को फैक्टर इंजेक्शन के बारे में बताया गया

मुरैना। एक जानकारी में प्रेम ने बताया कि हीमोफिलिया एक गंभीर और अनुवांशिक बीमारी है, जिसमें मरीज के कहीं कटने या लगने से खून का बहना बंद नहीं होता है जब तक फैक्टर (इंजेक्शन) नहीं लग जाता। पहले जरा-सा खून निकलने पर मरीज को दिल्ली जैसे शहरों मे जाना पड़ता था, क्योंकि एक इंजेशन कम से कम 10000 हजार का आता है और एक मरीज को 4 या 6 फैक्टर लगते हैं। हिमोफिलिया जैसी गंभीर बीमारी के लिए इंटास फाउडेशन ने एक कैम्प का आयोजन होटल राधिका पेलिस में किया, जिसमें मरीजों को घर के लिए फ्री में फेक्टर इंजेक्शन और फैक्टर खुद कैसे लगाते हैं इसकी भी ट्रेनिग मरीज को दी और साथ में हिमो किट प्रदान की, जिसमें आइस पेक आर्म सपोर्ट और बटर फ्लाई भी प्रदान कर सभी हिमोफीलिक मरीजों को भोजन कराकर कार्यक्रम का समापन किया।

वोट डालने का फोटो वायरल होने पर मामला दर्ज

मुरैना। बागचीनी थाना क्षेत्र के अन्तर्गत एक अज्ञात युवक ने मतदान केन्द्र के भीतर वोट डालने का फोटो वायरल किया। अज्ञात युवक का यह कृत्य आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 128, 130, 132 आदि के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बयाना में तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, पिता-पुत्री घायल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

बयाना। गुरुवार को भरतपुर के बयाना कस्बे में एक सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्री घायल हो गए। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें भरतपुर रैफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार गुरुवार को भरतपुर के बयाना कस्बे में कुंडा तिराहे पर एक सड़क हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार पिता-पुत्री घायल हो गए। घटना के बाद वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें भरतपुर के आरबीएम अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। हादसे में घायल पिता 35 वर्षीय राकेश सैनी एवं पुत्री 8 वर्षीय योगिता सैनी सूरौठ(करौली) से शादी शामिल होने बयाना आ रहे थे। इसी दौरान कुंडा तिराहे पर तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार राकेश सैनी के पैर में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों भरतपुर के आरबीएम अस्पताल के लिए रैफर कर दिया। घटना के बाद चालक पिकअप लेकर फरार हो गया।

घायल की दौराने उपचार मौत

मुरैना। जौरा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत गत दिवस पगारा रोड पर जनपद पंचायत ऑफिस के आगे एक मोटरसाईकिल चालक राकेश जाटव ने अपने वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए मंजू कुशवाह पत्नी उदयराज उम्र 35 वर्ष को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गई। बाद में घायल को उपचार के लिए जयपुर ले जाया गया, जहाँ उसकी दौराने उपचार मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के विरुद्ध धारा 304ए भादवि के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

अवैध शराब पकड़ी

मुरैना। पहाड़गढ़ पुलिस ने गत दिवस लहर्रा चौराहे से राजपाल धाकड़ नामक युवक को धर पकड़ा। आरोपी के कब्जे से 20 क्वार्टर देशी शराब कीमत दो हजार रुपये बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। उधर चित्रौनी पुलिस ने ग्राम सिंहपुरा में स्कूल के सामने से पंकज नामक युवक को धर दबोचा। आरोपी के कब्जे से 32 क्वार्टर देशी शराब बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

सायबर सैल प्रभारी गोली लगने से घायल

मुरैना। पुलिस के सायबर सैल प्रभारी सब इंस्पेक्टर अभिषेक जादौन के पैर में गत दिवस गोली लग गई, जिससे वे घायल हो गए। बताया जा रहा है कि रायफल साफ करते समय यह गोली लगी है। पुलिस ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें ग्वालियर के लिए रिफर कर दिया है।

दो पक्षों में झगड़ा, मामला दर्ज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सरायछौला थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पिपरई में आरोपी राजेश गुर्जर पुत्र श्रीकृष्ण गुर्जर, रामू पुत्र श्रीकृष्ण गुर्जर, मुकेश पुत्र निरंजन सिंह गुर्जर ने एक राय होकर गौरव गुर्जर व भरत गुर्जर नामक युवकों की मारपीट की तथा कट्टे से फायर किया, जो भरत के पैर में लगा। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी भाग खड़े हुए। बाद में फरियादी पक्ष थाने पहुंचा और पूरी बात पुलिस को बताई। पुलिस ने धारा 307, 323, 294, 506, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

श्रद्धा व आस्था केन्द्र है सात भाई की मज़ार

मुरैना। पुरातत्व धरोहर से भरा पड़ा नूराबाद वैसे तो किसी परिचय का मोहताज नहीं है, लेकिन नूराबाद में कुछ ऐसे स्थल भी हैं जिनका इतिहास से गहरा ताल्लुक रहा है। उन्हीं स्थलों में से एक है नूराबाद स्थित सात भाईयों की मज़ार। इस ऐतिहासिक स्थल के बारे में लोगों को बहुत कम जानकारी है, लेकिन इन सात भाईयों की भी अजीब दास्तान है। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि नूरजहां शहजानी अपने परिवार के साथ 17वीं शताब्दी में उस समय अरब देश (ईराक) से आई थीं जब ईराक में उनके परिवार से आपसी द्वंद चल रहा था। बताते हैं कि नूरजहां ने कुछ समय तो कष्टों में बिताया, लेकिन जब उन्हें लगा कि अगर हमें ईराक में ही बने रहे तो हमारा पूरा परिवार बिखर सकता है तो नूरजहां सुरक्षित जगह की तलाश मे ईराक से भारत आ गयीं। भारत मे वे भी सुरक्षित स्थान के लिए काफी समय भटकती रहीं। फिर भी उन्हें सुरक्षित स्थान नहीं मिला तो वे दिल्ली से सीधी अजनौधा गढ़ी आ गयीं। उस समय यहां मुगल बादशाह बाबर का आधिपत्य था। कुछ समय तक तो नूरजहां अपने परिवार के साथ वहीं बनी रहीं, लेकिन धीरे-धीरे जब उनका इस क्षेत्र में वर्चस्व कायम होने लगा तो वे नूराबाद आ गयीं और यहां एक आलीशान महल बनवाया जो आज भी बना हुआ है। कहा जाता है कि सांक व आसन नदी के कारण नूरजहां को दिल्ली, आगरा, धौलपुर की तरफ जाने में काफी परेशानी होती थी तो उन्होंने सांक सहित अन्य नदियों पर पुलों का निर्माण कराया तो आज भी इतिहास के गवाह बने हुए हैं। कहा जाता है कि जब नूरजहां का इस क्षेत्र में पूरी तरह वर्चस्व कायम हो गया तो कई प्रांतों के बादशाहों ने नूराबाद पर हमला कर दिया, जिसमें नूरजहां के सातों पुत्र मारे गये। इस जंग में नूरजहां के जो पुत्र मारे गए उनके नाम दरगाह हजरत मीर, शहीद सैयद अली रहमत अल्लाह अलेह, हजरत मीर सैयद शाह ताजीर रहमत अल्लाह, हजरत मीर सियार शाह यारू रहमत अल्लाह अलेह, हजरत शहीद शाह को शहीद रहम अल्लाह अलेह, सैयद शाह अनारिफ रहमत अल्लाह, हजरत सैयद शाह याकू रहमत अल्लाह अलेह था जिनके नाम पर मज़ार बनी हुई है। बताया जाता है कि इस जंग में सातों पुत्र उसी जगह मारे गए, जहां उनकी मज़ार बनी हुई है। पुत्रों के वियोग को नूरजहां भी सहन नहीं कर पायीं और कुछ समय बाद वह भी चल बसीं। मरते-मरते उन्होंने अपने दरबारियों के सामने यह शर्त रखी कि मेरी मैयत को भी वहीं दफनाया जाए जहां मेरे पुत्रों की मौत हुई है। नूरजहां की मज़ार भी सात भाईयों की मज़ार के पास आज भी बनी हुई है। बताते हैं कि उस ज़माने में बंजारे अधिक थे। एक बार बंजारे व्यापार के लिए ग्वालियर आ रहे थे। उन्हें ग्वालियर जाते-जाते अंधेरा हो गया और उन्होंने नूराबाद स्थित नदी के किनारे सात भाईयों की मज़ार के पास अपना डेरा डाल दिया। उस समय उक्त स्थान पूरी तरह समतल था, इसलिए बंजारों ने तम्बुओं के लिए अपने खूटे ठोकना प्रारंभ कर दिए तो अंदर से आवाज आई कि भैया हमारे दिलों पर खूटा क्यों ठोक रहे हो। हमें दर्द हो रहा है तो बंजारे चौक गए लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया और वे अपने काम को अंजाम देते रहे। उस जगह पर एक भी खूटा ठुकता वही जगह कराह उठती तो बंजारों को बड़ा आश्चर्य हुआ और आपस में बातचीत करने लगे कि भई माजरा क्या है तो बंजारों ने पूछा कि आप कौन हो? यहां क्या कर रहे हो? तो उन्होंने बताया कि हम सात भाई हैं। जंग में सातों मारे गये। हम चाहते हैं कि हमारी मज़ार बना दी जाए तो बंजारे बोले कि इस बार तो हम व्यापार के लिए नमक लाए हैं अगली बार जब हम व्यापार हेतु शक्कर लायेंगे तो हम आप लोगों की मज़ार बना देंगे। यह कहकर बंजारे सुबह व्यापार के लिए ग्वालियर की ओर रवाना हो गए। बताया जाता है कि जब बंजारे नमक को लेकर ग्वालियर मंडी में पहुंचे तो पूरा नमक शक्कर में बदल गया। यह नज़ारा देखकर बंजारे आश्चर्यचकित रह गए और आपस में बोले कि यह सब उन सात भाईयों की मेहरवानी से हुआ है। बस फिर क्या था बंजारों ने लौटकर सातों भाईयों की मज़ार चूने से बनवाई। इन सातों भाईयों की मज़ार की देखभाल तभी से सब लाग करते आ रहे हैं। पहले मज़ार की खिदमत असगर अली शाह सज्जादे करते थे। फिर उनके पुत्र सैयद अब्दुल अली ने की। इसके बाद सैयद मोहम्मद अली खिदमत करते रहे हैं और वर्तमान में हमीद अली के पुत्र फाईक अली जो कि 70 वर्ष के हैं उक्त मज़ार पर अप्रैल माह के आखिरी शुक्रवार एवं शनिवार को हर वर्ष उर्स मनाया जाता जाता है, जिसमें कई प्रदेशों से हिन्दू-मुसलमान आते हैं। कहा जाता है कि होली वाली दौज को बंजारों का खानदान आज भी मज़ार पर आता है।

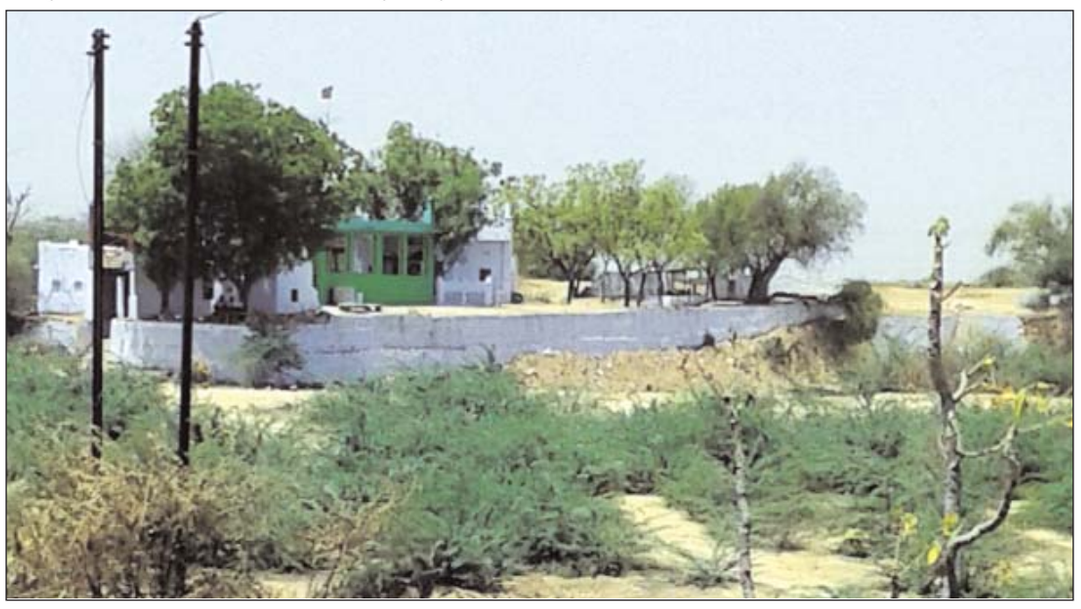

भगवान परशुराम प्रकटोत्सव पर आज निकलेगी पालकी यात्रा

- सात नदियों के जल, केसर, गंगाजल से होगा अभिषेक

ग्वालियर। भगवान श्री परशुराम पालकी समिति द्वारा आज 10 मई को सुबह 7 बजे अक्षय तृतीया पर भव्य एवं विशाल भगवान श्री परशुराम पालकी यात्रा निकाली जायेगी। यह पालकी यात्रा राममंदिर फालका बाजार से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई सनातन धर्म मंदिर पहुंचेगी। यहां सभी समाजों के प्रतिनिधियों, विधायकों, केबिनेट मंत्री सहित प्रबुद्ध नागरिकों एवं महामंडलेश्वर महंत कपिल मुनि महाराज द्वारा भगवान परशुराम की महाआरती की जायेगी।

संस्था के संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज ने बताया कि पालकी यात्रा को लेकर सनातन धर्म मंदिर परिसर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भगवान परशुराम का पूजन किया गया। उन्होंने बताया कि आज निकाली जाने वाली पालकी यात्रा के प्रारम्भ होने के पूर्व भगवान परशुराम का सात

नदियों के जल, केसर, गंगा जल से अभिषेक पूजन 11 ब्राह्मण देवताओं के द्वारा पंडित गिरिराज गुरु के आचार्यत्व में किया जाएगा। पालकी यात्रा में 251 महिलाएं परशुराम कलश लेकर चलेगी। सकल ब्राह्मण महासमिति ग्वालियर द्वारा पालकी यात्रा का ऊंट पुल पाटनकर बाजार पर फूलों के गलीचे पर कश्मीरी ब्राह्मण समाज द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। पालकी यात्रा का पूर्व विधायक, विधायक, अनेकों समाजों के प्रतिनिधियों द्वारा दो दर्जन से अधिक स्थानों पर स्वागत किया जाएगा। सनातन धर्म मंदिर पर प्रमुख अतिथियों व सकल हिन्दू समाज के प्रतिनिधियों सहित समस्त धर्मप्रेमी जन द्वारा महाआरती की जाएगी, तत्पश्चात प्रसाद वितरण होगा।

श्री भगवान परशुराम पालकी समारोह समिति के अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा, संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज, संरक्षक तीरथ मिश्रा, रामनारायण मिश्रा, सोनू बाजपेयी, श्याम बाबू शर्मा, महिला अध्यक्ष कांता शर्मा, महिला संयोजिका श्रीमती अनीता रिछारिया श्रीमती अनीता भार्गव, युवा अध्यक्ष प्रदीप शर्मा आरोली, युवा संयोजक मोहित दीक्षित, डॉ मुन्ना लाल शर्मा, हेमंत एडिशन शर्मा, रवीन्द्र नाथ नायक, मनोज त्रिपाठी ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओ से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त करे।

निगमायुक्त ने किया रक्कस टैंक और संग्रहालय का निरीक्षण

ग्वालियर। निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने शहर की सफाई व्यवस्था एवं पानी व्यवस्था को जांचने के लिए रक्कस टैंक, नगर निगम संग्रहालय और दीनदयाल नगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण पर पहुंचे निगमायुक्त को दीनदयाल नगर में आमजनों ने पानी की समस्या के बारे में बताया। निगम आयुक्त सिंह ने तत्काल पानी की समस्या दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने नगर निगम संग्रहालय में चल रहे रिनोवेशन कार्य का निरीक्षण किया तथा कार्य को गुणवत्तापूर्ण तरीके एवं समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

दिए। इस दौरान पीआईयू के अधिकारी मौजूद रहे। इसके बाद निगमायुक्त ने रक्कस टैंक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पीएचई अधिकारियों ने बताया कि टैंक से निकलने वाले पानी एवं टैंक में आने वाले पानी का पाइप लीकेज है। निगमायुक्त ने उसे ठीक करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि जलप्रदाय के समय क्षेत्र का भ्रमण अवश्य करें। कहीं भी लीकेज है तो उसको तुरंत दुरूस्त किया जाए।

इसके बाद निगमायुक्त श्री सिंह ने दीनदयाल नगर का निरीक्षण किया। दीनदयाल नगर में आमजनों ने पानी की समस्या के बारे में बताया। निगमायुक्त ने तत्काल पानी की समस्या हल करने के निर्देश दिए । इसके साथ उन्होंने आमजनों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के बारे में बताया और उसमें सहयोग करने की अपील की । इसके साथ ही निगम आयुक्त ने सड़कों की साफसफाई, चौंबर, जल निकासी आदि कार्यों का भी निरीक्षण किया। साथ ही सडकों पर ऊंचे नीचे बने चौम्बरों को लेकर नाराजगी व्यक्त की।

ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने अधिकारी प्लान बनायें: निगमायुक्त

ग्वालियर । शहर में सुगम एवं सुविधाजनक यातायात के लिए विभिन्न ज्यादा ट्रेफिक लोड वाले चौराहों पर लेफ्ट टर्न फ्री करने एवं चौराहों का सौंदर्यीकरण व वैकल्पिक मार्ग के सुझाव हेतु निगमायुक्त हर्ष सिंह ने बाल भवन के टीएलसी कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक कर सिटी मैप के माध्यम से प्रजेन्टेशन देखा तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि कलेक्टेट तिराहे एवं अचलेश्वर चौराहे का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा वर्कशॉप की रोड भी 3 दिन में प्रारंभ हो जाएगी।

निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने ट्रेफिक

सेल के अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि शहर में बढती ट्रैफिक व्यवस्था को कैसे सुचारू रखा जा सकता है। इसको लेकर प्लान बनायें। शहर के चौराहों पर लेफ्ट टर्न को और अधिक सुगम बनाने के लिए निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करें। जिससे यातायात व्यवस्थित एवं सुगम हो सके। बैठक में निगमायुक्त ने अचलेश्वर चौराहा, फूलबाग चौराहा, बारादरी मुरार चौराहा, चेतकपुरी साइंस कॉलेज वाला तिराहा सहित शहर के विभिन्न चौराहों के विस्तारीकरण एवं सौंदर्यीकरण को लेकर चर्चा की तथा शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं व्यवस्थित यातायात के लिए ईरिक्शा फ्री रोड एवं वैकल्पिक मार्ग के लिए सर्वे कर दो दिन में प्लान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कंसल्टेंट एवं अधिकारियों द्वारा बनाए गए दो प्रजेन्टेशन को एक साथ मर्ज करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त मुनीश सिंह सिकरवार, सहायक सिटी प्लनर प्रदीप जादौन, सहायक यंत्री अमित गुप्ता, महेन्द्र अग्रवाल, नोडल अधिकारी विद्युत रामबाबू दिनकर, सब इंजीनियर सुश्री तनुजा वर्मा एवं कंसल्टेंट निकुंज बंसल आदि उपस्थित थे।

भितरवार में चोरों का आतंक, चोरों ने आधा दर्जन से अधिक घरों में चोरी की वारदात को दिया अंजाम

ग्वालियर। शहर में पिछले कुछ दिनों से चोरों ने धमाल मचा रखा है और पुलिस को चुनौती देकर शहर और शहर से सटे गांव में कई चोरियों की वारदातों को अंजाम देकर ग्रामीणों में दहशत फैला दी है। पुलिस से बेखौफचोरों ने बीती रात आधा दर्जन से अधिक घरों में चोरी की वारदातों को अंजाम देकर सनसनी फैला दी। वहीं चोरी कर भागे एक चोर को एक युवक ने दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया। जिससे पूछताछ के बाद पुलिस ने दो संधिग्ध चोरों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। चोरी की वारदातें देहात के भितरवार थाना क्षेत्र में घटी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भितरवार थाना क्षेत्र में बुधवार गुरूवार की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों ने आधा दर्जन से अधिक घरों में धावा बोलकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। वारदातों को अंजाम देने आये चोरों ने वार्ड क्रमांक 10 में रहने वाले वीरेंद्र प्रजापति के घर से चोर उनकी मोटर साइकिल चोरी कर ली। वहीं वार्ड क्रमांक 9 के रहवासी खेमचंद्र शिवहरे

के घर खिड़की तोड़कर घुसे चोर 25 हजार रुपए नकद, बर्तन और अन्य सामान चोरी कर ले गए। वहीं वार्ड क्रमांक 11 निवासी सोबरन सिंह यादव और नरेंद्र यादव के घर से सबमर्सिबल मोटर चोरी कर रफूचक्कर हुए। चोरों ने अगला निशाना वार्ड 10 में सरदार जयमल सिंह,सत्यपाल सिंह और मधुसूदन भार्गव के घर को बनाया। जहां से वे सबमर्सिबल पानी की मोटरें चोरी कर ले गए। वार्ड क्रमांक 11 नवल किरार के घर से एक पानी की मोटर और वार्ड 15 में सिरनाम बघेल के घर से दो पानी की मोटर चोरी कर भागे चोरों ने वार्ड 9 में रहने वाले रिंकू शर्मा के घर को निशाना बनाया। जहां घुसे चोर घर में रखी उनकी मोटरसाइकिल ले जाने के लिए ताला तोड़ने लगे। जिसकी आवाज सुनकर नींद से जागे रिंकू शर्मा ने आवाज देकर पूछा कौन हैं। जिसे सुन चार पांच चोर मोटरसाइकिल छोड़ भागने लगे। इन चोरों को पकड़ने के लिए रिंकू शर्मा इनके पीछे गए और नरवर मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास चार पहिया वाहन में सवार चोरों को घेर लिया। जिसमें वे एक चोर को पकड़ने में कामयाब हुए। बाकी चोर भागने में सफल हो गए और उसे पुलिस को सौंपा। जहां पूछताछ में चोरी करने वाले युवक ने अपना नाम सोबरन परिहार बसई गांव का होना बताया और 20 से अधिक पानी की मोटरें चोरी करना कबूल किया। पकड़े गये चोर से पूछताछ के बाद पुलिस ने तीन संदिग्ध चोरों को गिरफ्तार किया है।

चोरों को पकड़ने एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन

बीती रात भितरवार थाना क्षेत्र में हुई चोरियों की वारदातों के बाद पीड़ित लोग नगर परिषद उपाध्यक्ष मन्नू यादव के साथ पुलिस थाने पहुंचे और एसडीओपी जितेंद्र नगाईच को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के दौरान लोगों ने पुलिस की लापरवाहीपूर्ण कार्यप्रणाली की कड़े शब्दों में निंदा की। इस दौरान एसडीओपी ने नगर परिषद उपाध्यक्ष को जल्द से जल्द उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

बाल विवाह की सूचना देने वाले को मिलेगा इनाम: कलेक्टर

ग्वालियर। अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले में संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में दल गठित किए हैं। साथ ही बाल विवाह की सूचना प्राप्त करने के लिये टोल फ्री नम्बर 1098 भी जारी किया है। इस फोन नम्बर पर कोई भी व्यक्ति बाल विवाह के संबंध में सूचना दे सकेगा। बाल विवाह की सूचना सही पाए जाने पर सूचना देने वाले व्यक्ति को जिला प्रशासन द्वारा पुरस्कृत दिया जायेगा। बाल विवाह की सूचना देने वाले व्यक्ति के नाम की पूरी गोपनीयता भी रखी जायेगी। सहायक संचालक महिला-बाल विकास राहुल पाठक ने बताया कि बाल विवाह में सहयोग करने वाले सेवा प्रदाताओं मसलन प्रिंटिंग प्रेस, हलवाई, धर्मगुरू, बैंड व टेंट वाले भी बाल विवाह अधिनियम के तहत दोषी माने जायेंगे। राज्य शासन द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत जिला कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सभी एसडीएम, सभी जनपद पंचायतों के सीईओ और परियोजना अधिकारी महिला-बाल विकास को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी घोषित किया है।

अग्निशमन व्यवस्था पूर्ण नहीं करने पर रॉयल मैरिज गार्डन शील्ड

ग्वालियर। बीते दिनों हुई मैरीज गार्डन में आगजनी की घटना के बाद निगम का अमला सक्रिय हुआ और निगम के फायर अमले ने बीते रोज अग्निशमन व्यवस्था पूर्ण ना होने पर कई संस्थानों को नोटिस जारी किये थे। गुरुवार को निगम के अमले ने विभिन्न मैरिज गार्डनों का निरीक्षण कर अग्निशमन व्यवस्था पूर्ण नहीं करने पर रॉयल मैरिज गार्डन को शील्ड किया है।

अधीक्षण यंत्री डॉक्टर अतिबल सिंह यादव ने बताया कि निगम के फायर अमले के साथ उन्होंने विभिन्न मैरिज गार्डनों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रॉयल मैरिज गार्डन सिटी सेंटर द्वारा अग्निशमन की कोई व्यवस्था नही होने एवं एनओसी नहीं होने पर मैरिज गार्डन को शील्ड किया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक सिटी प्लानर प्रदीप जादौन, भवन अधिकारी राजीव सोनी, वीरेन्द्र शाक्य सहित अन्य अमला मौजूद रहा।

विभिन्न बाजारों से हटाया अवैध अतिक्रमण

ग्वालियर । शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने और अवैध अतिक्रमण कर व्यापार करने वालों के खिलाफनिगम के अमले ने कार्रवाई कर अवैध अतिक्रमण हटाया।

मदाखलत अधिकारी डॉ. अनुज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत गुरूवार को नया बाजार तिराहा से भैरों बाबा मन्दिर के पास वार्ड क्र 45, लश्कर ग्वालियर के पास रखी लोहे की गुमटी को जप्त कर मदाखलत कार्यालय भिजवाया गया।

सभी के प्यार व स्नेह के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूँ: रमेश गर्ग

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। वोटिंग के बाद अब सभी प्रत्याशियों का भाग्य ईव्हीएम मशीन में कैद हो गया है। जीत का ताज किसके सिर बंधेगा यह आने वाली 04 जून को पता चलेगा। इससे पहले ही बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग ने आमजन का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों ने मुझे बढ़-चढ़कर प्यार और स्नेह दिया। उन्होंने कहा कि प्रचार-प्रसार के दौरान हर सभा में आप सबने शामिल होकर उन्हें सफल बनाने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाई, साथ ही मतदान से एक दिन पहले सभी भाई-बहनों ने बसपा की रैली को ऐतिहासिक बना दिया। श्री गर्ग ने कहा कि परिणाम भविष्य के गर्त में हैं, लेकिन मुझे आशा है कि जीत हमारी होगी। श्री गर्ग ने कहा कि इस चुनाव में जब मैं जनता के मध्य पहुंचा तो मुझे इस बात का एहसास् हुआ कि लोग मुझे पसंद करते हैं। मुझे हर वर्ग का प्यार व स्नेह मिला, इसके लिए मैं सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

तप, ज्ञान, यज्ञ और दान, परशुराम हैं महान

धन, संपत्ति और वैभव की देवी माता लक्ष्मी, जगत के पालनहार भगवान विष्णु और कुबेर देव की आराधाना के लिए समर्पित अक्षय तृतीया इस बार सुखद संयोग से सजी हुई है। अक्षय तृतीया के दिन ही विष्णु के अवतार भगवान परशुराम की जयंती का शुभ योग भी है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया से ही सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ है। भगवान विष्णु ने नर नारायण का अवतार लिया था। इसे युगादि तिथि भी कहा जाता है। इस दिन विवाह, गृहप्रवेश और खरीदारी को अत्यंत शुभ माना जाता है। दान-पुण्य और खरीदारी से अक्षय फल की प्राप्ति होती है। आइये जानते हैं, अक्षय तृतीया का हिंदू धर्म में महत्व और भगवान परशुराम के पराक्रम का प्रभाव।

डॉ. केशव पाण्डेय

10 मई शुक्रवार को अक्षय तृतीया पर्व है। हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को देश भर में अक्षया तृतीया मनाते हैं। सनातन धर्म में इसे बेहद शुभ मानकर दीपावली की तरह ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। जो इस तिथि पर देवी लक्ष्मी की पूजा कर, दान-पुण्य और खरीदारी आदि कार्य करते हैं उन्हें शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस वर्ष अक्षय तृतीया पर 100 साल बाद चंद्रमा और देवगुरु बृहस्पति की युति होने से गजकेसरी योग का निर्माण होगा। ज्योतिष शास्त्र में गजकेसरी योग को शुभ योग माना गया है। साथ ही मालव्य योग, धन योग, रवियोग, उत्तम योग और शश योग को मिलाकर कुल पांच महा शुभ योगों का संयोग भी होगा। अक्षय तृतीया स्वयंसिद्ध मुहूर्त होने के कारण इस तिथि पर हर तरह के शुभ कार्य बिना मुहूर्त के संपन्न होंगे।

मान्यता है कि अक्षय तृतीया पर मां लक्ष्मी की पूजा करने और सोना-चांदी खरीदने से सौभाग्य और सुख-शांति की प्राप्ति होती है। अक्षय तृतीया पर गृह प्रवेश, विवाह, विद्यारंभ, प्रतिष्ठान का शुभारंभ, नया कारोबार, जमीन और वाहन की खरीदारी करना शुभ होता है। गंगा स्नान और दान करने का विशेष महत्व होने से कार्य में सफलता मिलती है और धन में वृद्धि होती है।

अक्षय तृतीया का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि त्रेता युग में मां गंगा और देवी अन्नपूर्णा का अवतरण हुआ था। महर्षि वेदव्यास ने महाभारत महाकाव्य की रचना की थी। अक्षय तृतीया पर ही बद्रीनाथ और केदारनाथ के पट खुलते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने युधिष्ठिर को अक्षय पात्र दिया था, जिसमें कभी भी भोजन समाप्त नहीं होता था। अक्षय तृतीया के दिन घर में बेटे का जन्म होने पर शुभ दिन पर पूजी जाने वाली मां लक्ष्मी के पति भगवान विष्णु का नाम दे सकते हैं।

दान का महत्व: सनातन परंपरा के वेदों और उपनिषदों में अक्षय तृतीया पर दान के महत्व का उल्लेख किया गया है। धर्म ग्रंथों के मुताबिक कुछ दान का फल इसी जन्म में मिल जाता है तो कुछ का फल अगले जन्म में मिलता है। गरु? पुराण में दान का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि दान करने से लंबी उम्र मिलती है।

दान के महत्व को बताते हुए मनुस्मृति में

अक्षय तृतीया एवं परशुराम जंयती पर विशेष

कहा गया है-

तपः परं कृतयुगे त्रेतायां ज्ञानमुच्यते।
द्वापरे यज्ञमेवाहुर्दानमेकं कलौ युगे ॥

अर्थात्- सतयुग में तप, त्रेता में ज्ञान, द्वापर में यज्ञ और कलियुग में दान मनुष्य के कल्याण का साधन है। इस दिन दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

अक्षय तृतीया का है वैज्ञानिक आधार भी है। इस पर्व के मनाने से सुख, समृद्धि और आरोग्यता मिलती है। इस दिन स्वास्थ्य लाभ, समृद्धि एवं संकटों से मुक्ति के लिए अनेक उपायों का उल्लेख है। पवित्र तिथि से फ्रिज के ठण्डे पानी की अपेक्षा प्रतिदिन मिट्टी के घड़े में भरा जल पीने से शरीर स्वस्थ रहता है। मिट्टी के संपर्क से जल में पृथ्वी तत्व की वृद्धि होती है, जल और पृथ्वी तत्व शरीर के लिए पोषक होते हैं, जो वैशाख मास में आरोग्य प्राप्ति के लिए सरलतम उपाय है।

अक्षय तृतीया के दिन विधि-विधान से महालक्ष्मी की मंत्रों के साथ उपासना की जाए तो धर में धन-धान्य में वृद्धि होती है। लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए 108 बार लक्ष्मी बीज मंत्र का जप करें।

लक्ष्मी बीज मंत्र: ऊँ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीभयो नमः।

महालक्ष्मी मंत्र

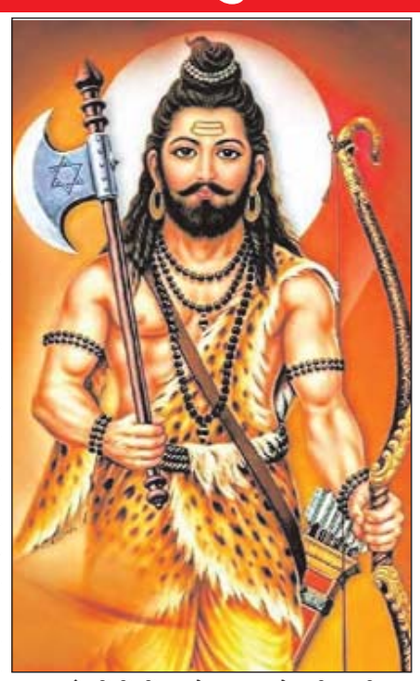

ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मयै नमः॥

पद्मानने पद्म पद्माक्षी पद्म संभवे तन्मे भजसि पद्माक्षि येन सौख्यं लभाम्यहम्

ऊँ ह्रीं श्री क्रीं क्लीं श्री लक्ष्मी मम गृहे धन पूरये, धन पूरये, चिंताएं दूरये-दूरये स्वाहाः

पूजा का मुहूर्त सुबह 5 बजकर 13 मिनट से 11 बजकर 43 मिनट तक रहेगा। वहीं, लाभ चौघड़िया मुहूर्त सुबह 06 बजकर 51 मिनट से सुबह 08 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही अमृत चौघड़िया मुहूर्त सुबह 08 बजकर 28 मिनट से सुबह 10 बजकर 06 मिनट तक रहेगा। पुनः शुभ चौघड़िया मुहूर्त सुबह 11 बजकर 43 मिनट से दोपहर 01 बजकर 21 मिनट तक रहेगा।

भगवान शिव ने दिया परशु अस्त्र हो गए परशुराम

अक्षय तृतीया के दिन ही 8 लाख 75 हजार 7 सौ साल पूर्व त्रेता युग के 19वें भाग में भगवान विष्णु के छठवें अवतार परशुराम माता रेणुका के गर्भ से अवतीर्ण हुए थे। उन्हें भगवान नारायण का आदेशावत्रा भी कहा जाता है। कई ग्रंथों में परशुराम को भगवान विष्णु और शिव का संयुक्त अवतार बताया गया है। शिव से उन्होंने संहार की शिक्षा प्राप्त की और भगवान विष्णु से उन्होंने पालन के गुण सीखे हैं।

भगवान परशुराम के बचपन का नाम रामभद्र था, यह नाम उनके माता-पिता ने रखा था। महर्षि कण्व ने जन्म के समय उनका नाम कोटिकर्ण रखा था। भगवान परशुराम का मूल नाम राम था, इसका उल्लेख महाभारत और विष्णु पुराण में मिलता है। लेकिन जब बाद में भगवान शिव द्वारा उन्हें परशु नामक अस्त्र प्रदान किया गया तो उनका नाम परशुराम हो गया। इनके अलावा भी उन्हें जमदग्नि कुलादित्य, रेणुकादभुत शक्तिकृत, मातृहत्यादिनिर्लेप, स्कन्दजित, विप्रराज्यप्रद, सर्वक्षत्रान्तकृत, वीरदर्पहा, कार्तावीर्यजित सप्तद्वीपावतीदाता, शिवार्चकयशप्रद, भीम, शिवाचार्य विश्वभुक, शिवखिलज्ञान कोष, भीष्माचार्य, अग्निदैवत, द्रोणाचार्य, गुरुविश्वजैत्रधन्वा, कृतान्तजित, अद्वितीय तपोमूर्ति, ब्रह्मचर्येक दक्षिण नाम से पुकारा जाता है।

महर्षि ऊँ ऋचिक और पिता जमदग्नि से वेद और धुनर्वेद की शिक्षा प्राप्त की थी। भगवान शंकर के सानिध्य में गणेशजी से उन्होंने परशु चलाने की विद्या सीखी। परशु शिव जी के उसी महातेज से निर्मित हुआ था जिससे सुदर्शन चक्र और देवराज इंद्र का वज्र बना था। भगवान परशुराम रुरु नामक मृग का चर्म धारण करते थे। इसके अतिरिक्त वो कंधे पर धनुष-बाण एवं हाथ में परशु लेकर चलते थे। परशुराम एक महान गुरु थे। इतिहास में भीष्म, द्रोण व कर्ण जैसे महायोद्धा उनके शिष्य रहे हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान परशुराम ने तीर चला कर गुजरात से लेकर केरला तक समुद्र को पिछे धकेल कर नई भूमि का निर्माण किया। इसी कारण कोंकण, गोवा और केरला मे भगवान परशुराम वंदनीय है। वे भार्गव गोत्र की सबसे आज्ञाकारी सन्तानों में से एक थे, जो सदैव अपने गुरुजनों और माता पिता की आज्ञा का पालन करते थे। यह वजह थी कि उन्होंने अपने पिता की आज्ञा मानकर अपनी माता का वध कर दिया था। लेकिन तीन वरदान मांग कर माता को पुर्नजीवित करवा दिया। परशुराम ने जो तीन वरदान मांगे थे उनमें- ÷मेरी माता और भाई जीवित हो जाएं और उन्हें मेरे द्वारा उनका वध किए जाने की याद न रहे। उनके सभी मानस पाप नष्ट हो जाएं। मैं लंबी आयु प्राप्त करूं और युद्ध में मेरा सामना करने वाला कोई न रहे।÷ महर्षि जमदग्नि ने उन्हें ये तीनों वरदान दिए। अध्यात्म रामायण में भगवान परशुराम का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि जब राक्षसों ने क्षत्रियों का रूप धारण कर इस पृथ्वी पर उत्पात मचाना प्रारंभ किया तब भगवान विष्णु ने परशुराम का अवतार लेकर दुष्ट राक्षसों को कई बार मारा और उनके भार से इस धरती को मुक्त किया।

कहा जाता है कि एक बार, हैहय वंश के राजा कार्तवीर्यार्जुन ने परशुराम के पिता महर्षि जमदग्नि के आश्रम पर आक्रमण किया और उनकी हत्या कर दी। उनकी मृत्यु से दुःखी हो रेणुका भी पति के साथ सती हो गईं। इस घटना ने परशुराम व्यथित हो गए। क्रोध और प्रतिशोध की आग में जलते हुए 21 बार पृथ्वी को क्षत्रियों से मुक्त करने का संकल्प लिया। उन्होंने अपने फरसे को धारण कर क्षत्रियों का वध करना शुरू कर दिया। क्षत्रियों के रक्त से उन्होंने पांच सरोवर भर दिए। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में यह स्थान समन्तपंचक के नाम से प्रसिद्ध है।

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।